तापमान

अधिकतम 24.0 डिग्री
न्यूनतम 8.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 16 फरवरी 2025

10 23 मार्च को करनाल में होगा 25वां वैवाहिक..

10 स्वयंसेविकाओं ने रंगारंग कार्यक्रम में दिखाई प्रतिभा

खबर संक्षेप

स्कूटी ने मारी टक्कर, बाइक सवार की मौत

जींद। सफीदो रोड पर दालमवाला अस्पताल के निकट सड़क हादसे में घायल हुए एक व्यक्ति की पानीपत के निजी अस्पताल में मौत हो गई। शहर थाना पुलिस मृतक के घायल साथी की शिकायत पर फरार स्कूटी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिंध्वीखेड़ा निवासी सुखचैन ने पुलिस को शिकायत दी है।

धमकी देकर चौथ मांगने का आरोपित गिरफ्तार

जींद। शहर थाना नरवाना में किरयाना दुकानदार को व्हाट्सअप कॉल कर पांच लाख रुपये की चौथ मांगने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। कृष्णा गली निवासी अशोक ने गत 17 अक्टूबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह किरयाने की दुकान चलाता है। गत दस अक्टूबर को उसके फोन पर कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसे पांच रुपये की डिमांड की।

रंजिशन हमला करने पर पांच के खिलाफ केस दर्ज

जींद। गांव लिजवाना कलां में खेत में पानी दे रहे युवक पर हमला कर युवक को घायल करने पर जुलाना थाना पुलिस ने पांच युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव लिजवाना कलां निवासी जगदीप ने शिकायत में बताया कि वह खेत में पानी दे रहा था। गांव का ही साहिल व मोहित एक बाइक पर तथा दूसरे बाइक पर तीन अन्य खेत में पहुंचे और उस पर हमला कर दिया।

शिमला में हृदय रोग जांच शिविर आज

कलायत। राजकीय वमावि शिमला में हृदय रोगों का निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। डा.सुधीर ने बताया की शिविर का आयोजन जनता मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल कैथल के सौजन्य से किया जा रहा है। शिविर में हृदय से संबंधित सभी रोगों की जांच व दवाएं सब निशुल्क रहेगा। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

खेतों से बिजली केबल चोरी करते दो पकड़े

जींद। गांव पोंकरीखेड़ी के किसानों ने खेतों से बिजली केबल व अन्य सामान चोरी करने वाले दो युवकों काबू कर उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपितों ने साथियों के साथ मिलकर आठ किसानों के खेतों से बिजली केबल तथा अन्य सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस आरोपितों से फरार साथियों तथा चोरी की वारदातों के बारे में पूछताछ कर रही है।

गांव जाखोली में हुई मारपीट में एक घायल

कैथल। जाखोली में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है गांव जखोली के प्रदीप ने तीतर पुलिस को शिकायत में आरोप लगाया है कि 12 फरवरी को माइकल ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर उसे पर लाठी और गंडासियों से हमला करते हुए उसे घायल कर दिया यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी।

बकाया राशि मांगी तो हमला कर किया घायल

जींद। सब्जी तथा फल की दो साल से बकाया राशि मांगने पर आरोपित ने परिजनों के साथ हमला कर सब्जी विक्रेता को घायल करने पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रामगढ़ निवासी अमित ने पुलिस को शिकायत दी है।

रास्ता रोककर मारपीट का आरोप,तीन नामजद

कैथल। रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में राजौंद पुलिस ने तीन व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव सेरधा के सुभाष ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 27 जनवरी को जब नंदकरनमाजरा से गुजर रहा था तो गुरमीत,राजेंद्र ने साथियों के साथ मिलकर रास्ता रोकते उसके साथ मारपीट की।

जुलाना नपा नामांकन का चौथा दिन: आज अवकाश, कल नामांकन का आखिरी दिन

चार चेयरमैन व 14 पार्षद उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

14 वार्डों में 7265 पुरुष और 6398 महिला मतदाता अपने पार्षद और चेयरमैन का चुनाव करेंगे, बिना अनुमति रैली या जुलूस ना निकालें

आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन करें सभी उम्मीदवार : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जुलाना कस्बे की नगरपालिका चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया जारी है। नामांकन के चौथे दिन चेयरमैन पद के लिए चार आवेदन तो पार्षद के लिए 14 उम्मीदवारों ने नामांकन किया। जुलाना की तहसील कार्यालय में नामांकन दाखिल किए जा रहे हैं। एसडीएम और रिटर्निंग अधिकारी होशियार सिंह ने बताया कि रविवार को अवकाश होने के कारण नामांकन नही होगा। सोमवार को नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 14 वार्डों के 13663 मतदाता चुनेंगे शहर की सरकारः नगरपालिका में पहली बार 13 की जगह 14 वार्डों के पार्षदों और चेयरमैन का चुनाव होगा। 14 वार्डों में 7265 पुरूष और 6398 महिला मतदाता अपने पार्षद और चेयरमैन का चुनाव करेंगे। इन्होंने भरे नामांकनः नामांकन के चौथे दिन चेयरमैन के लिए सुनील कुमार, कौशल कुमार, तरूण गर्ग और शमशेर ने नामांकन किया है। इसके अलावा पार्षद के लिए वार्ड तीन खुशीराम, वार्ड 6 से पवन कुमार, वार्ड 7 से राजेश और प्रदीप, वार्ड आठ से रिषी कुमार और नवीन, वार्ड 9 से राहुल, अजीत और अजय कुमार, वार्ड 11 से ममता, वार्ड 12 से भारत, वार्ड 13 से रजनी देवी और ज्योति और वार्ड 14 से मंजू ने नामांकन किया है। आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन करें सभी उम्मीदवार : एसडीएमः जुलाना के एसडीएम और रिटर्निंग अधिकारी होशियार सिंह ने कहा कि सभी उम्मीदवार आदर्श चुनाव आचार संहिता का पालन करें। बिना अनुमति कोई रैली या जुलूस ना निकालें। लाउडस्पीकर की अनुमति लें।

जुलाना। जुलाना तहसील कार्यालय में नामांकन दाखिल करते उम्मीदवार। *फोटो :हरिभूमि*

सफीदों। तहसीलदार विकास कुमार को नामांकन पत्र सौंपते प्रत्याशी नीरू कुमार। *फोटो :हरिभूमि*

नीरू ने किया नामांकन दाखिल

सफीदों। प्रदेश में होने वाले निकाय चुनावों के साथ सफीदों के वार्ड नंबर 14 का उपचुनाव होना भी निश्चित हुआ है। शनिवार को आदर्श कालोनी निवासी नीरू कुमार ने अपना नामांकन पत्र नायब तहसीलदार विकास कुमार को सौंपा। इस प्रकार से इस उपचुनाव में नीरू कुमार दूसरे उम्मीदवार बन गए हैं। इससे पहले शुक्रवार को ज्योति ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम पुलकित मल्होत्रा ने बताया कि इस उपचुनावों के लेकर शनिवार को नीरू कुमार ने अपना नामांकन दर्ज करवाया है। नामांकन प्रक्रिया 17 फरवरी तक चलेगी। आगामी 16 फरवरी को रविवार का अवकाश रहेगा। नामांकन पत्रों की जांच 18 फरवरी को होगी तथा नामांकन वापसी की तिथि 19 फरवरी निर्धारित की है। इसके बाद इसी दिन नामांकन दर्ज करने वाले उम्मीदवारों को चिन्ह अलॉट कर दिए जाएंगे।

भाजपा प्रत्याशी की घोषणा के पश्चात मिठाइयां बांटकर खुशी जाहिर करते कार्यकर्ता।

ममता सैनी को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

पूंडरी। नपा चेयरमैन पद के लिए ममता सैनी को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा के बाद कार्यकर्त्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पार्टी कार्यकर्त्ताओं का कहना है कि यह टिकट भाजपा विधायक सतपाल जांबा के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से संभव हुआ है। विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि ममता सैनी को प्रत्याशी बनाए जाने से पार्टी को मजबूती मिलेगी और सभी कार्यकर्त्ताओं को एकजुट होकर चुनाव में जुटना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्त्ता पूरी ताकत से चुनाव प्रचार में जुटें ताकि पार्टी को प्रचंड जीत मिले। वहीं, ममता सैनी के समर्थकों और पार्टी कार्यकर्त्ताओं ने उनके नाम की घोषणा पर खुशी जताई और विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा पूंडरी में शानदार प्रदर्शन करेगी। कार्यकर्त्ताओं ने इसे भाजपा संगठन की मजबूती और वरिष्ठ नेताओं के कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया। पूंडरी में भाजपा प्रत्याशी की घोषणा के बाद पी.डब्ल्यू.डी. में जश्न का माहौल रहा और कार्यकर्त्ताओं ने मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया।

पूंडरी नपा चुनाव : चेयरपर्सन पद के लिए दो प्रत्याशियों ने किया नामांकन

15606 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी नगरपालिका चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया ने जोर पकड़ लिया है। शनिवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए पालिका कार्यालय में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिली। इस बार नगरपालिका के 16 वार्डों और चेयरपर्सन पद के लिए चुनाव हो रहा है, जिसके तहत कुल 15606 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 8178 पुरुष और 7428 महिला मतदाता अपने मत का प्रयोग करेंगे। पूंडरी नगरपालिका में इस बार चेयरपर्सन का चुनाव सीधे जनता के वोट से होगा। भाजपा ने इस पद के लिए ममता सैनी को अपना उम्मीदवार बनाया है, लेकिन पार्टी के टिकट वितरण से असंतुष्ट होकर गुड्डी देवी सैनी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया है। इसके अलावा बबली गोस्वामी भी चेयरपर्सन पद के लिए चुनावी मैदान में हैं, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय होगा।

गुड्डी देवी सैनी जो पहले भाजपा टिकट की दावेदार थीं, पार्टी से टिकट न मिलने पर बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं। उनके पति कुलदीप सैनी भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व पार्षद रह चुके हैं। अब भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी ममता सैनी को चुनौती देने के लिए उन्होंने खुलकर चुनावी रण में उतरने का फैसला किया है। समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंचे प्रत्याशीः शनिवार को नामांकन दाखिल करने के दौरान शहर में कई प्रत्याशियों ने शक्ति प्रदर्शन भी किया। बबली गोस्वामी और गुड्डी देवी सैनी अपने समर्थकों के साथ रैली निकालते हुए नामांकन स्थल तक पहुंचीं। चुनाव अधिकारी एवं एसडीएम अजय जांगड़ा को उन्होंने अपने दस्तावेज सौंपे। अब तक नगरपालिका के 16 वार्डों में से कई वार्डों में प्रत्याशियों ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। चुनाव अधिकारी के अनुसार, शनिवार तक वार्डों के लिए 14 नामांकन दाखिल हुए।

एसडीएम अजय को चेयरपर्सन पद के लिए नामांकन पत्र सौंपते प्रत्याशी।

प्रशासन मुस्तैद : एसडीएम

एसडीएम अजय जांगड़ा ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन प्रत्याशियों और मतदाताओं को निष्पक्ष चुनाव का भरोसा दिलाता है। नामांकन प्रक्रिया के पूरा होते ही पूंडरी में चुनाव प्रचार भी तेज हो गया है। प्रत्याशियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में जनसंपर्क शुरू कर दिया है। आगामी दिनों में चुनावी सरगर्मी और बढ़ने की उम्मीद है। त्रिकोणीय मुकाबले के चलते इस बार पूंडरी नगरपालिका का चुनाव दिलचस्प मोड़ ले सकता है।

इन वार्डों के लिए नामांकन दाखिल

वार्ड 1 से सतीश हजवाना।,वार्ड 5 से सचिन।, वार्ड 6 से किरण देवी।, रितु, पूजा रानी, रिंकी, सुदेश कुमारी। वार्ड 7 से हिशम सिंह, नवजोत, कांता देवी,वार्ड 9 से ज्योति कत्याल, वार्ड 10 से बलजीत, वार्ड 16 से अशोक कुमार, पिंकी देवी ने अभी तक नामांकन दाखिल किए है।

भाजपा ने जारी की निकाय चुनाव प्रत्याशियों की सूची

कैथल। नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया के तहत शुक्रवार रात के समय भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। भाजपा ने सीवन में पंजाबी, कलायत में राजपूत और पूंडरी में सैनी समाज पर विश्वास जता टिकट दिया है। इसके तहत सीवन में भाजपा की उपाध्यक्ष शैली मुंजाल, कलायत में मैनपाल राणा और पूंडरी में ममता सैनी को टिकट मिला है। बता दें कि अध्यक्ष पद के लिए सीवन में महिला सामान्य वर्ग और कलायत में सामान्य वर्ग व पूंडरी में बीसी-बी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया था। भाजपा ने तीनों जगहों पर अलग-अलग जातियों के लोगों को टिकट देकर जातिगत समीकरण के अनुसार मतदाताओं को साधने का प्रयास किया है। वहीं, नामांकन को अब महज दो दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भाजपा किसी भी प्रकार से देरी नहीं करना चाहती थी। ऐसे में भाजपा ने रात में ही अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। बता दें कि इस बार सीवन नगर पालिका में पहली बार चुनाव होना है। जबकि पूंडरी और कलायत में भी लंबे समय से चुनाव लंबित थे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर 16.45 लाख हड़पने का आरोपी गिरफ्तार

- एप डाउनलोड करवाकर धोखाधड़ी को अंजाम देने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

साइबर थाना पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा दे, एप डाउनलोड करवा 16.45 लाख को धोखाधड़ी करने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। पटेल नगर नरवाना निवासी अनुपम ने गत तीन जनवरी को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह फेसबुक पर कुछ देखा रहा था। जिस पर ऑनलाइन ट्रेडिंग करने पर अच्छा मुनाफा बताया जा रहा था। जिस पर लिंक को क्लिक कर लिया। जिसके साथ वह एक गुरप से जुड़ गया। वीडियोग्राफी के माध्यम से उसका खाता खोला गया। एप लोड करवाने के बाद उसे कोड दे दिया गया। गत 28 नवंबर को उसने 11 हजार रुपये का निवेश किया। जिसके बाद उसने लगभग हर रोज निवेश करना शुरू कर दिया। जिसमें उसे लगातार मुनाफा दिखाया जाता रहा। गत 18 दिसंबर को उसने चार लाख 65 हजार का निवेश किया। अलग अलग तारीखों में 19 दिसंबर तक वह 16 लाख 45 हजार रुपये निवेश के नाम पर दे चुका था। जब उसे निवेश राशि को निकालने की कोशिश की तो उसे मुनाफे का बीस प्रतिशत और जमा कराने के बारे मे बोला गया। काफी कोशिश के बाद भी उसकी राशि नही निकली। जिस पर उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने अनुपम की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने जांच का आगे बढाया तो गांव अमृतसर जिला कपूरथला पंजाब निवासी हरमेल का नाम सामने आया।

शराब तस्कर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

नरवाना के निकट 400 पेटी शराब सहित कंटेनर पकड़ा था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआई स्टाफ नरवाना ने शराब तस्करों पर बड़ी कारवाई करते हुए नरवाना के नजदीक से 400 पेटी शराब से भरे कंटेनर को काबू कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। पकडे गए आरोपितों की पहचान माधवगढ़ जिला महेंद्रगढ़ निवासी सचिन, कृष्ण उर्फ कान्हा व भानगढ़ भिवानी निवासी विकास के रूप में हुई है। इससे पहले गत छह फरवरी को सीआईए नरवाना की टीम ने कंटेनर से भारी मात्रा में शराब बरामद की थी। सीआईए थाना नरवाना पुलिस को गत छह फरवरी को सूचना मिली थी कि कंटेनर में शराब को पंजाब की तरफ से बिहार ले जाया जा रहा है। जिस पर पुलिस ने सूचना के आधार पर नरवाना के निकट 400 पेटी शराब सहित कंटेनर को काबू कर लिया। पकड़ी गई शराब को पंजाब से तस्करी करके बिहार ले जाया जा रहा था । पकड़े गए आरोपितों ने पूछताछ में शराब तस्करी से जुड़े पूरे गिरोह बारे खुलासा किया था। सीआईए टीम ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरोह से जुड़े तीन और आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

जींद। पुलिस गिरफ्त में तीनों आरोपित।

महापंचायत महापंचायत में सर्व सम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय पर लगाई मुहर

खरक पांडवा में आतिशबाजी, डीजे और ट्रैक्टर पर स्पीकर बजाने पर देना होगा 51 हजार जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत के गांव खरक पांडवा में आतिशबाजी, डीजे व ट्रैक्टरों पर स्पीकर बजाने पर 51 हजार रुपये जुर्माना भुगतान होगा। गांव में सौहार्द पूर्ण माहौल एवं अमन चैन को लेकर शुक्रवार देर रात्रि हुई महापंचायत में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। फैसलों की प्रति बकायदा गांव की महिला सरपंच सुनीता देवी की तरफ से पुलिस स्टेशन में दी है। इसके पीछे महिला सरपंच का ध्येय ग्रामीणों द्वारा जनहित एवं व्यवस्था बनाने को लेकर लिए गए निर्णय से रूबरू करवाना है। महिला सरपंच सुनीता देवी, किसान नेता गुरनाम सहारण, समाज सेवी सुरेश सहारण और दूसरे गणमान्य लोगों ने कहा कि गांव में शांति बनाए रखने के लिए सामाजिक स्तर पर प्रयास जरूरी हैं। इसके तहत गांव में अब डीजे बजाने पर रोक लगाई गई है। इसका उद्देश्य ध्वनि प्रदूषण को रोकना है। इसके साथ ही ट्रैक्टर पर भी स्पीकर बजाने की अनुमति नहीं होगी। आतिशबाजी पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। नियम उल्लंघन पर 51 हजार का जुर्माना भुगतना पड़ेगा। ग्रामीणों के अनुसार पिछले काफी समय से गांव में डीजे, आतिशबाजी व ट्रैक्टरों पर ऊंची आवाज में बजाए जाने जाने वाले स्पीकरों के कारण अव्यवस्था का माहौल रहता था। इससे हर किसी को परेशानियों से जूझना पड़ता रहा। महापंचायत में सर्व सम्मति से इस पर सभी ने मुहर लगाई।

कलायत। खरक पांडवा में पंचायत के निर्णय की जानकारी देते सुरेश।

21 व 22 फरवरी को दंगल

खरक पांडवा के लोग युवाओं को नशे व विभिन्न बुराईयों से दूर करने के लिए भी एकजुट हैं। खेल-खिलाड़ियों को बढ़ावा देने की मजबूत रणनीति बनाई है। इसके तहत शहीद भीष्म सिंह की याद में गांव में 10 वी सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का 21 व 22 फरवरी को दंगल सजेगा। शहीद भगत सिंह खेल समिति एवं समस्त ग्रामीणों द्वारा यह खेल महाकुंभ होगा।

गांव सैर से 3.935 किलोग्राम अफीम पौधे सहित आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नशे का धंधा करने वाले अपराधियों पर एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार पुलिस द्वारा निरंतर पैनी नजर रखी जा रही है। जिसके दौरान स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा गांव सैर से मकान की छत पर अफीम की खेती करने वाले आरोपी को काबू कर लिया । जिसके कब्जे 3.935 किलोग्राम अफीम के पौधे बरामद किए गए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी एसआई रमेश कुमार की अगुवाई में सहायक उपनिरिक्षक मोहन लाल की टीम रात्रिकालीन गश्त दौरान सीवन क्षेत्र में मौजूद थी। सहयोगी सुत्रों से जानकारी मिली कि, गांव सैर निवासी सोनू अपने मकान की छत पर नशीला पदार्थ डोडापोस्त (अफीम) की खेती किए है। उसके मकान पर दबीश देकर उसे काबू किया जा सकता है मकान की छत से अफीम फसल बरामद की जा सकती है। पुलिस द्वारा तत्परता व मुस्तैदी का परिचय देकर गांव सैर में उक्त मकान पर दबीश देकर संदिग्ध सोनू उपरोक्त को काबु कर लिया । पुलिस सुचना उपरांत मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार बंशीलाल के समक्ष नियमानुसार कार्रवाई के तहत की जांच की।

खबर संक्षेप

कन्या कालेज की खिलाड़ी प्राची लोहान ने जीता स्वर्ण

जींद। 38वीं नेशनल गेम 28 जनवरी से 14 फरवरी को उत्तराखंड में हुए। जिसमें फेंसिंग गेम के मुकाबले नौ से 14 फरवरी तक चले। जिसमें ईपी इवेंट टीम गेम में प्राची लोहान ने स्वर्ण पदक जीता वहीं व्यक्तिगत ईपी ब्रॉज मेडल जीता। शारीरिक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका मीना ने कहा कि यह महाविद्यालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सट्टा खाईवाल करते एक दबोचा, मामला दर्ज

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने अनाज मंडी में सट्टा खाईवाल करते एक व्यक्ति को काबू कर उसके कब्जे से 1130 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गढ़ी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि अनाज मंडी में एक व्यक्ति सट्टा खाईवाल का कार्य रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते व्यक्ति को काबू कर कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1130 रुपये की नगदी तथा सट्टा पर्ची बरामद हुई।

नाबालिग से अश्लील हरकत,एक नामजद

जींद। सदर थाना सफीदों इलाका गांव में नाबालिग लड़की के साथ अशील हरकत करने पर महिला थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ अशील हरकत करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर थाना सफीदों गांव की एक नाबालिग लड़की ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत तीन अक्टूबर को उसके रिश्ते के ताऊ राजेश ने उसके साथ अशील हरकत की।

मकान से पचास हजार रुपये चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव कंडेला में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर पचास हजार रुपये की नगदी को चोरी कर लिया। सदर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। गांव कंडेला निवासी राजपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़ कर पचास हजार की नगदी को चोरी कर लिया।

दुकान से टूंटियों समेत अन्य सामान चोरी

जींद। उचाना बाईपास पर बीती रात चोरों ने मार्बल दुकान के शटर पर लगे ताले तोड़ कर भारी संख्या में पीतल, ब्रास की टूंटियों समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। दुकानदार की शिकायत चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। उचाना मंडी निवासी विनीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बाईपास पर मार्बल की दुकान है। बीती रात चोरों ने दुकान के तोड़ कर 861 पीतल टूंटियों, सौ सेट निप्पल समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया।

रणजीत सिंह राजथल प्रधान मनोनित

जींद। जाट धर्मशाला में रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की बैठक राजकुमार लोहान व जलकरण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। जिसमें रणजीत सिंह राजथल प्रधान, जय सिंह धनखड़ संयोजक, रामकुमार मालवी उप प्रधान, बलवान पेडवाड़ कोषाध्यक्ष, सतबीर बिरोली प्रवक्ता नियुक्त किया।

मकान का ताला तोडकर सोना-चांदी के जेवर चोरी

जींद। गांव लोधर में चोरों ने मकान से सोना, चांदी के जेवरात करने पर उचाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव लोधर निवासी नीलम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसके घर से चोरों ने उसके घर से सोना, चांदी के जेवरातों को चोरी कर लिया।

स्कूल में स्टैम मेले का किया आयोजन

सफीदों। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् गुरुग्राम के आदेशानुसार नगर की आदर्श कालोनी स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्टैम मेले का आयोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के मुख्याध्यापक शमशेर सिंह ने की। इस मौके पर बच्चों द्वारा विज्ञान व गणित विषय की प्रदर्शनी लगाई।

एक दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन

स्वयंसेविकाओं ने रंगारंग कार्यक्रम में दिखाई प्रतिभा

प्राचार्या ने हर गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। शिविर में भाग लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय में एन एस एस की दोनों यूनिटों के द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या डॉ अंजना लोहान ने की। इस एक दिवसीय शिविर में एन एस एस स्वयं सेविकाओं को धारा 370 पर बनी शिक्षाप्रद मूवी कश्मीर फाईल दिखाई गई। कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

छात्राओं ने स्वयं रचित देश भक्ति कविताएं सुनाई , गाने गाए, चुटकुले सुनाए , अपनी.अपनी रुचिया बताई। जो छात्राएं एन आई सी कैंप में भाग लेकर आई थी उन्होंने अपने अनुभव सांझा किये। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती मधु शर्मा और मूर्ति जागलान ने स्वयं सेविकाओं को जागरूक किया। प्राचार्या डॉ अंजना लोहान ने भी स्वयं सेविकाओं को हर गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित किया तथा एनएसएस के महत्व के बारे में बताया। इन कार्यक्रमों में भाग लेने से छात्राओं के व्यक्तित्व का विकास होता है जो उनके भविष्य में काम आता है। यदि छात्राएं इन कार्यक्रमो में भाग नहीं लेती हैं तो वह बहुत कुछ गँवा रही हैं। इस अवसर पर डॉ नयनदीप, डॉ अनीता छाबड़ाए डॉ शालू सचदेवा एसुश्री रेखा कोहली कांता जागलान एनताशा एमोनिका सुदेश बनवालाएसुमन गर्ग मौजूद रहे।

स्वयंसेवकों ने किया धार्मिक स्थलों का भ्रमण

नरवाना। राजकीय महाविद्यालय नरवाना के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने जयपाल सिंह आर्य के निर्देशन में कुरुक्षेत्र में शैक्षणिकए सामाजिक सांस्कृतिक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर भ्रमण किया। ज्योति सर में अष्टधातु से निर्मित प्रतिमा एवं अक्षय वट वृक्ष का अवलोकन किया गया। श्री कृष्ण ने अर्जुन को कर्म के लिए प्रेरित किया और गीता का संदेश दिया था।कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में धरोहर में धार निकालती महिलाएसुत कातनाए बर्तन निर्माणए कुआंएकोल्हु इत्यादि हरियाणवी संस्कृति की प्राकृतिक वैभवशाली एपरंपराओं जीवनशैली का अवलोकन किया गया। धरोहर में।आम जनमानस का प्रकृति से गहरा जुड़ाव और मानवीय संवाद स्पष्ट झलकता है। पैनोरमा में विज्ञान संबंधित प्राचीन भारतीय शल्य चिकित्सा औजारएधातु पिघलने की भट्टीए महाभारत युद्ध का 18 दिन का परिदृश्य एवं अन्य वैज्ञानिक के साथ नवीन सिद्धांतों के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान की गई। भारतीय ज्योतिष गणना एवं काल गणना का भी व्यापक चित्रण विद्यार्थियों ने देखा। हिस्ट्री की उत्पत्ति से आज तक की काल गणना के बारे में भी व्यापक जानकारी ली गई।ब्रह्म सरोवर का भी भ्रमण किया गया। भद्रकाली मंदिर में भी पूजा अर्चना की गई।

---

२३ मार्च को करनाल में होगा २५वां वैवाहिक अग्रवाल परिचय सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक में भाग लेते हुए अग्रवाल समाज के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

सावर गर्ग, रामधन जैन, सोनू जैन, सतपाल जैन, पवन बंसल, मनीष गर्ग, सुशील सिंगला, गोपाल जिंदल, रजत सिंगला, राजेश गोयल इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों की बैठक प्रधान राजकुमार गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में 23 मार्च को करनाल में होने वाले 25वें वैवाहिक अग्रवाल परिचय सम्मेलन को कामयाब बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। गोयल ने कहा कि आगामी 23 मार्च रविवार को अग्रसेन भवन सेक्टर आठ करनाल में वैवाहिक अग्रवाल परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। अबतक 24 परिचय सम्मेलनों को आयोजन हो चुका है। इस परिचय सम्मेलन को लेकर पंजीकरण शुरू हो चुके हैं। पूरे हरियाणा में करीबन 150 स्थानों पर पंजीकरण केंद्र बनाए गए हैं। विवाह योग्य प्रत्याशियों के लिए उत्तम जीवन साथी चयन करने का यह एक सुनहरा मौका है। पंजीकरण करवाने की अंतिम तिथि एक मार्च है। जिन प्रत्याशियों के पंजीकरण एक मार्च से पहले पहले प्राप्त हो जाएंगे, उनके नाम परिचय पुस्तिका में प्रकाशित हो सकेंगे। उन्होने पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे इस परिचय सम्मेलन को लेकर जींद जिले में ज्यादा से ज्यादा प्रचार करें ताकि ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण आ सकें। रामधन जैन व सावर गर्ग ने कहा कि आज हमारे समाज में न जाने कितनी ऐसी बहनें हैं, जिनकी शादी की उम्र पार हो रही है लेकिन उनके हाथों में अभीतक मेहंदी नही लगी है। ऐसी बहनों के रिश्ते समय पर हो जाने चाहिए थे लेकिन समय पर सही रिश्ते नही मिल पाने के कारण ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। यही स्थिति युवाओं के साथ भी है। ऐसे हालात में वैवाहिक परिचय सम्मेलन समाज की जरूरत बन गया है। इस प्रकार के परिचय सम्मेलनों से जहां मनपसंद रिश्ता मिलने में आसानी होती है वहीं बार-बार रिश्ता देखने के झंझट से भी बचा जा सकता है।

आज होंगे समिति पदाधिकारी सम्मानित

नरवाना। श्री सिद्धि विनायक सेवा समिति सदस्यों व पदाधिकारियों द्वारा 16 फरवरी रविवार के दिन एसएस जैन सभा को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान सभा के सदस्यों व पदाधिकारियों द्वारा शहर में पहली बार बेहतरीन तरीके से करवाए गए इतने बड़े दीक्षा समारोह व सम्मेलन को लेकर दिया जाएगा। यह निर्णय समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों ने कैनाल रोड स्थित जयराम अस्पताल में विचार.विमर्श किए जाने के दौरान लिया। सम्मान समारोह कार्यक्रम भी जयराम अस्पताल परिसर में ही सुबह 11 बजे किया जाएगा। समिति के प्रधान कैलाश सिंगला व संयोजक विनोद मंगला ने बताया कि जैन सभा द्वारा करवाया गया यह कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। क्योंकि आज से पहले इस तरह का कार्यक्रम कभी नहीं हुआए जिसमें हजारोंण्हजारों की संख्या में यहां लोग आए हो। कार्यक्रम को देखकर यह कहना भी कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि यहां महाकुंभ जैसा दृश्य नहीं बना हो। क्योंकि देश व प्रदेश काफी संख्या में साधु व साध्वी भी कार्यक्रम में मंच पर विराजमान थे। सबसे बड़ी बात यह थी एक बीस वर्षीय दिल्ली निवासी शीतल को यहां दीक्षा दिलवाई गई। जैन सभा में कार्यक्रम से करीब एक सप्ताह पहले ही पूरी तैयारियां की जा रही थी। एक विवाह जैसा माहौल जैन समाज के लोगों द्वारा बना दिया गया था। भविष्य में भी सेवा समिति सभा के पदाधिकारियों व सदस्यों से आग्रह करती है कि इसी तरह से वह शहर में कार्यक्रम आयोजित करवाती रहे ताकि नरवाना क्षेत्र का नाम प्रदेश ही नहीं पूरे देश में रोशन हो। जहां कहीं भी सिद्धि विनायक सेवा समिति की जरूरत होगी यहां जहां ड्यूटी लगाई जाएगीए वहां हर समय समिति तैयार मिलेगी। पूरे तनण्मनण्धन से समिति के सदस्य लगेंगे।

पोलीक्लीनिक में स्वास्थ्य जांच शिविर 21 को

जींद। वरिष्ठ नागरिक परिषद् की बैठक सेक्टर सात स्थित डे केयर सेंटर में प्रधान बूटा सिंह पूनिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी सदस्यों ने पुलवामा में शहीद हुए जवानों को व कुंभ मेले में मारे गए दिवंगत आत्माओं को श्रद्धाजलिं दी गई और एक मिनट का मोन रखा गया तथा उनके परिवारों की सुख व शांति के लिए कामना की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 21 फरवरी को पोलीक्लीनिक सैक्टर 8 में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में कोई भी सीनियर सीटिजन अपने स्वास्थ्य संबंधी जांच निशुल्क करवा सकेगा। यह जांच नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा की जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि पॉलिथिन बैग को छोड़ा जाए व जूट के बैग सामान लाने में प्रयोग किए जाए। सभी सदस्यों द्वारा घर-घर जाकर लोगों को इसके बारे में जागरूक करने का निर्णय लिया गया। परिषद् द्वारा कुछ बैग बनवा कर नागरिक परिषद् के सभी सदस्यों को बांटे जाएंगे। बैठक में कर्नल सुबेसिंह ढांडा, दलजीत बिसला, रामकुमार गौर, सीपी मलिक मौजूद रहे।

जींद। बैठक में भाग लेते वरिष्ठ नागरिक। फोटो :हरिभूमि

जींद। बैठक में भाग लेते अध्यापक। फोटो :हरिभूमि

जींदः एचकेआरएन शिक्षकों के वेतन और एसीपी मामलों को लेकर अध्यापक संघ ने शुरू की मुहिम

जींद। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ सफीदों ने एचकेआरएन शिक्षकों को समय पर वेतन देने, रुके हुए वेतन का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने तथा एसीपी मामलों में अकेडमिक रिकार्ड में परसेंटेज की शर्त को हटाने के लिए मुहिम शुरू की है। इसी को लेकर संघ की एक बैठक ब्लॉक प्रधान संदीप रिढाल की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समय पर वेतन न मिलना न केवल उनके अधिकारों का हनन है बल्कि यह उनकी आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि एचकेआरएन शिक्षकों के वेतन में किसी भी प्रकार की देरी न हो और रुका हुआ वेतन जल्द से जल्द जारी किया जाए। इसके साथ ही एसीपी मामलों में शिक्षकों के अकेडमिक रिकार्ड में परसेंटेज की अनावश्यक शर्त को हटाने की भी मांग उठाई गई। मौके पर मामराज जांगड़ा, निर्मला आर्य ने भी विचार व्यक्त किए।

भाजपा ने कोई वायदा नहीं किया पूराः जयप्रकाश

जींद। हिसार लोकसभा से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ब्राह्मण धर्मशाला उचाना में आयोजित स्टाफ नर्स शकुंतला के बेटे की शादी में पहुंचे। विवाह समारोह में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में जयप्रकाश ने कहा कि भाजपा सरकार ने 100 दिनों में जो जनता से वायदे किए थे, उनमें से कोई वायदा पूरा नहीं किया है। प्रदेश में निरंतर अपराध बढ़ रहा है। बेरोजगारी की दर भी निरंतर बढ़ती जा रही है। अपनी जमीन बेच कर युवाओं को विदेशों में जाना पड़ रहा है। सरकार को चाहिए कि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था प्रदेश में की जाए ताकि युवाओं को विदेशों में रोजगार को लेकर न जाना पड़े। इस मौके पर कृष्ण मोर पालवां, वीरेंद्र प्रधान, राकेश खटकड़, रामदत्त शर्मा मौजूद रहे।

जींद। ब्राह्मण धर्मशाला में पहुंचे कांग्रेस सांसद जयप्रकाश।

जुलाना। जागरूकता रैली निकालते स्वयंसेवक। फोटो :हरिभूमि

जुलानाः रा.कालेज में सात दिवसीय कैंप शुरू

जुलाना। शहीद मेजर संजीव लाठर राजकीय महाविद्यालय जुलाना में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के प्रथम दिवस पर कार्यवाहक प्राचार्या नीरज धानिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. निशु गुप्ता एवं डा. एसके ने स्वयंसेवकों को एनएसएस के उद्देश्यों और समाज सेवा के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर डा. नेहा मित्तल ने कहा कि एनएसएस कार्यक्रम में छात्रों को निस्वार्थ सेवा और समाज के प्रति समर्पण की भावना सिखाना है। हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने, दूसरों की सेवा करने और स्वयं के व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित करता है।

जींद। ग्रीन ऑडिट में भाग लेते महाविद्यालय स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में ग्रीन ऑडिट का आयोजन

जींद। राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्रीन ऑडिट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय नारनौंद के रिटायर्ड प्राचार्य डा. देवेंद्र लाठर, प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी राजकीय महाविद्यालय वनस्पति विभाग से डा. संजय, राजकीय महाविद्यालय जुलाना भूगोल विभाग अध्यक्ष डा. विजेंद्र कुमार निरीक्षक के रूप में आमंत्रित किए गए। ग्रीन ऑडिट के दौरान महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं जैसे जल संरक्षण, ऊर्जा की बचत, कचरे के प्रभावी प्रबंधन और हरियाली को बढ़ावा देने का मूल्यांकन किया गया। निरीक्षकों ने संस्थान के पर्यावरण हितैषी प्रयासों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षकों को और अधिक सुधार के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और छात्र व छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना और उन्हें पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अंजना धवन, पुष्पा, सविता, ममता, कमलेश, वीरेंद्र, भगवान दास मौजूद रहे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

- प्राकृतिक खेती से बढ़ता है मिट्टी का जैविक कार्बन और उपजाऊपन : डा. कर्मचंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। प्राकृतिक खेती के गुर सीखते हुए प्रशिक्षु। फोटो :हरिभूमि

हमेटी के निदेशक डा. कर्मचंद ने कहा कि प्राकृतिक खेती में रसायनिक कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग नही करते। भूमि की ताकत प्राकृतिक आदानों के प्रयोग से ही बढ़ाई जाती है। जिससे फसलों का ज्यादा उत्पादन होता है। हमेटी के निदेशक डा. कर्मचंद शनिवार को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की 25 महिला अधिकारी व कर्मचारियों के प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डा. कर्मचंद ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अनुसार 16 राज्यों में 484 किसानों के खेतों पर तीन साल अध्ययन करने पर निष्कर्ष निकला है कि प्राकृतिक खेती से भूमि में जैविक कार्बन में वृद्धि होती है। उत्पाद की इनपुट कॉस्ट में भी 29 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। उन्होंने बताया कि रसायनों के प्रयोग बिना पैदावार में कमी भी तभी तक होती है, जब तक प्राकृतिक खेती के सभी उपाय नहीं अपनाए जाते। प्राकृतिक खेती में फसल अवशेषों से मल्चिंग करने जैसी तकनीक से न केवल पफसल में वृद्धि होती है बल्कि जल बचाव व सूक्ष्म जीवाणुओं की क्रियाशीलता भी बढ़ती है।

जींद। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

हमारे जीवन में खेलों का विशेष महत्व : वीरेंद्र

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में एक दिवसीय स्पोर्ट मीट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय निदेशक वीरेंद्र ढिल्लो, प्राचार्य अवनीश कुमार और राज रेढू ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके की। विद्यार्थियों के द्वारा तिलक करके अभिभावकों का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़. चढ़ कर भाग लिया। जिसमें जंप रेस, थ्रीलेग रेस, सिंपल रेस, फ्रॉग रेस, बोरी रेस आदि विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं करवाई गई। बीच-बीच में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक के बच्चों ने नृत्य के द्वारा सबको सम्मोहित कर दिया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता विजेताओं को मेडल के द्वारा सम्मानित किया गया। विद्यालय निदेशक वीरेंद्र ढिल्लो ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे जीवन में खेलों का बहुत ही अहम महत्व है। खेलने से हमारा शरीर हष्ट-पुष्ट बनता है तथा मन तंदुरस्त रहता है। खेलों को पूर्णतः खेल की भावना से खेलना चाहिए। कोई भी इंसान अगर किसी भी कार्य को लग्न व समर्पित भावना से करता है, तो कामयाबी हमेशा उसके कदम चुमती है।

कार्यक्रम जय निराकार, जय कलाकार जाप पर झूमे श्रद्धालु

जिसने प्रभु प्रेम और सत्य ज्ञान को पा लिया वह संसार के जन्मों-जन्मों के दुःखों से मुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम में झूमते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

महान शक्ति संगठन कला धाम के तत्वावधान में रोहतक रोड पर चौड़ी गली में विश्व कल्याण एवं सर्व सुख शांति के लिए चल रहे 11 दिवसीय महाअखंड जाप शनिवार को भी जारी रहा। बाल ऋषि सुखदेव महाराज ने जय निराकार, जय कलाकार का अखंड जाप करवा कर सभी भक्तों को प्रभु प्रेम की मस्ती में नाचने को विवश कर दिया। उन्होंने कहा कि जिसने प्रभु प्रेम और सत्य ज्ञान को जीवन में उतार लिया, उसने ही संसार के जन्मों-जन्मों के दुखों से छुटकारा पा लिया। सत्य के मार्ग पर चलते हुए और नेक कर्म करते हुए जो दुख आते हैं, वह तो इंसान को प्रभु भगवान के ओर ज्यादा नजदीक ले जाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभु कृपा से उनके सच्चे प्रेम और सत्य गूढ़ ज्ञान को प्राप्त करने के लिए इंसान को अपने अंतकरण से मलिन विचारों और सभी बुराइयों को निकाल कर शुद्ध पवित्र विचारों को धारण करना चाहिए एवं सच्चे मन से प्रभु नाम सिमरन द्वारा संपूर्ण विश्व के कल्याण हेतु अधिक से अधिक शुभ कार्य करते रहना चाहिए। हमारे परमपिता प्रभु भगवान इतने दयालु हैं कि समय समय पर सच्चे संत महापुरुष के घट में आ कर अपने सभी बच्चों और भक्तों को जागृत करते हैं, उन्हें अपने सच्चे प्रेम, सत्य गूढ़ ज्ञान व असली माल धन से भरपूर बनाते हैं और उन्हें वास्तविक आनंद की अनुभूति करवाते हैं लेकिन उनके असली माल और वास्तविक आनंद का अधिकारी वहीं बनता है, जो उनके असली हीरे मोतीयों रूपी कीमती वचनों को मानकर अपने प्रभु भगवान को हृदय में बसा लेता है। इस अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने नाच झूम कर अपने अपने भाव प्रकट किए।

जींद। जाट धर्मशाला में आयोजित बैठक में भाग लेते रिटायर्ड कर्मचारी।

रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को पूरा करे सरकार

जींद। रिटायर्ट कर्मचारी अधिकारी वैलफेयर एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी की बैठक प्रधान किताबसिंह भनवाला की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला में संपन्न हुई। बैठक में ब्लाक इकाइयों के प्रधानए सचिव व कोषाध्यक्षों ने भी भाग लिया। प्रधान किताब सिंह भनवाला ने बताया कि नेशनल इंक्रीमेंट के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों पर लागू करने के आदेश जारी कर दिए हैं। हरियाणा सरकार भी उस संबंध में शीघ्र आदेश जारी कर सकती है। भनवाला ने बताया कि कोम्यूटेशन की 15 वर्ष में की जाने वाली रिकवरी पर भी सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। इस बारे भी प्रदेश सरकार पुनः आदेश जारी करके 15 वर्ष की बजाय 10 वर्ष 8 मास में पूर्ण रियावरी का फैसला ले सकती है। भनवाला ने स्पष्ट किया कि रिटायर होने वाले कर्मचारियों को 28 वर्ष की सेवा उपरांत पूरी पैंशन 50% तय करने के आदेश हुए हैं। महासचिव कुलदीप गोयत ने बताया कि यह सभी जानकारी सभी ब्लॉक प्रधान अपने-अपने ब्लॉकों में दें। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों की लंबित मांगों बारे भी विचार विमर्श किया।

खबर संक्षेप

कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन

राजौंद। गांव माजरा रोहेड़ा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन गया। जिसमें लोगों को सभी प्रकार की मुफ्त कानूनी सहायता बारे विस्तार पूर्वक बताया गया। प्राधिकरण की तरफ से एडवोकेट मनोज कुमार ढुल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से कैंप का आयोजन किया जाता है। जिसमें लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति व मुक्त कानूनी सहायता प्रदान बारे जागरूक किया जाता है। यह ऐसे नागरिकों के लिए एक राहत का साधन है जो न्याय पाने के लिए किसी भी कारणवश अदालत नहीं जा सकते है।

सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य ओ पी शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुई जिनमें गीत नृत्य नाटक और कविता वाचन शामिल रहे।

साइबर अपराधी विभिन्न तरीके अपनाकर आमजन के साथ ठगी कर रहे

फर्जी लोन एप से रहे सावधान, बगैर ऋण लिए भी हो जाएंगे कर्जदार: राजेश कालिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

साइबर अपराधी भिन्न तरीके अपनाकर आमजन के साथ साइबर ठगी कर रहे है। एसपी राजेश कालिया के आदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा लगातार आमजन को साइबर अपराधो से बचने हेतु जागरूक किया जा रहा है। जो इसी तहत साइबर अपराध के एक तरीके बारे कैथल पुलिस द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जब लोन देने वाले ऐप के रिकवरी एजेंट कॉल करते धमकियां देकर ज्यादा पैसे वसूलते है और आपके द्वारा पुरी किस्त देने पर भी आप पर कर्ज दिखाती है। फिर 6-7 दिन में लोन पर कर्ज की कुल राशि का दोगुना ब्याना मांगा जाता है। फिर कर्जदाता चुकाने में नाकाम होने पर उनकी तस्वीरों में फेरबदल करके उनकी आपत्तिजनक बनाकर सार्वजनिक किया जाता है। जिससे डिप्रेशन में आकर कुछ कर्जधारक खुद को नुकसान भी पहुंचाते है।

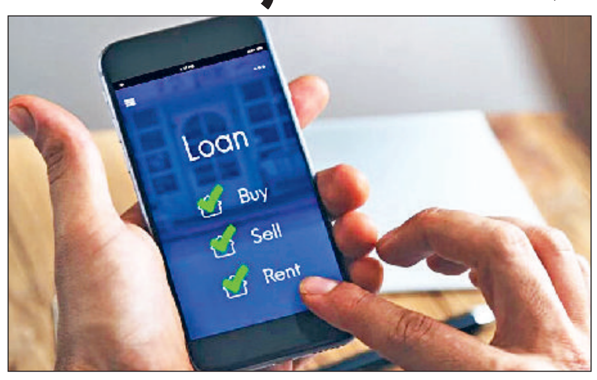

ऐसे साइबर अपराधियों से कैसे बचें :-

▶▶| सबसे पहले तो लोन देने वाले ऐप या कंपनी के बारे में ये जांच करें कि क्या वह आरबीआई की अनुमति से लोन दे रही है या नही।

▶▶| कोई लोन ऐप किसी बैंक या एनबीएफसी के नाम पर कर्ज बांटने का दावा करता है तो उसे भी संबंधित बैंक या एनबीएफसी से क्रॉस चेक जरूर करें।

▶▶| ऐप आपको जो भी लोन दे रहा है उसकी ब्याज दरें पहले से निर्धारित करा लें और उसका एक एग्रीमेंट भी करा लें, ताकि बाद में आपसे ज्यादा ब्याज की वसूली न हो सके।

▶▶| अगर आपको कोई लोन ऐप चुकाई जाने वाली किस्त, भुगतान की अवधि और भुगतान के तरीके के बारे में पहले से ही स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं देती तो ऐसे लोन ऐप से दूर रहने में ही भलाई है।

▶▶| ऐप से लोन लेने से पहले ब्याज दर को लेकर चीजें स्पष्ट की जानी बहुत जरूरी है अगर कोई ऐप कह रहा कि वह 4 फीसदी ब्याज पर कर्ज देगा तो यह जरूर पूछें कि ब्याज मासिक लगेगा या सालाना, कुछ ऐप दावा करते हैं कि 4 फीसदी ब्याज पर कर्ज देंगे और बाद में पता चलता है कि ये दर मासिक थी, इस तरह आप पर सालाना 48 फीसदी ब्याज का बोझ आ सकता है।

▶▶| ऐसे लोन ऐप जो प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर ज्यादा पैसे मांगते हो या प्री-पेमेंट अथवा प्री-क्लोजर फीस ज्यादा मांगते हैं, उन पर यकीन न करें।

▶▶| अगर कोई ऐप आपको बैंक खाते की जानकारी, डेबिट-क्रेडिट कार्ड का पिन अथवा ऐसी ही अन्य पर्सनल जानकारियां मांगता है तो उससे भी सावधान रहें।

▶▶| जिस ऐप से आप लोन के लिए अप्लाई कर रहे हैं, उसकी रेटिंग और रिव्यू को भी जरूर देखें।बेहतर होगा कि आप किसी बैंक या एनबीएफसी

साइबर हेल्पडेस्क की मदद लें

एसपी राजेश कालिया ने बताया कि वर्तमान समय में फर्जी लोन एप के माध्यम से आसान तरीके से कर्ज मिलने के चक्कर में लोग अपनी जान गवां रहे है क्योकि आजकल आसानी से ऑनलाइन लोन एप के जाल में सैकड़ों लोग फंसे हुए हैं। जो कर्ज मंजूर करते वक्त फर्जी कंपनियां आवेदक का फोन हैक कर लेती हैं और फिर किस्त व ब्याज न देने पर अश्लील फोटो बनाकर बदनाम करने लगते हैं। कर्मचारी आवेदक के रिश्तेदारों, परिचितों और रिश्तेदारों को फोन कर अपशब्दों का भी प्रयोग करते हैं जिस बदनामी के डर से लोगो गलत कदम उठा लेते है। ऐसे फर्जी लोन एप से सावधान रहें और डरे नही। अगर कोई व्यक्ति आपको ब्लैकमेल करता है तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल करें इसके अलावा नजदीकी पुलिस स्टेशन जाकर साइबर हेल्पडेस्क की मदद लें।

कलायत। राजकीय महिला कालेज में अव्वल प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि व प्राध्यापक वर्ग। फोटो :हरिभूमि

100 मीटर रेस में माफी ने पाया अव्वल स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

श्री कपिल मुनि राजकीय महिला कालेज में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का दंगल सजा। प्रतियोगिता की शुरूआत परंपरा अनुसार प्राचार्य राजेश सैनी ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में की। महाविद्यालय में एम.ए.प्रथम वर्ष की छात्रा मंजू ने मुख्य अतिथि, उप प्राचार्य व सभी स्टाफ सदस्यों को बेज लगाकर-टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया। खेलकूद प्रभारी नवीन कुमार ने मुख्य अतिथि के सामने कार्यक्रम की रूप रेखा को रखा। राजेश सैनी ने छात्राओं को खेलकूद प्रतियोगिता में बढ़-चढकर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद जीवन का एक अहम हिस्सा है। आज 100, 200 व 800 मीटर रेस, 400 मीटर रिले रेस और हाई जंप प्रतियोगिताएं हुई।

इस प्रकार रहे परिणाम

कालेज में आयोजित 100 मीटर रेस में माफी प्रथम, शुभम द्वितीय व निकी ने तृतीय स्थान पाया। 200 मीटर रेस में निकी प्रथम, काजल द्वितीय व अन्नू तृतीय स्थान पर रही। 800 मीटर रेस में अन्नू प्रथम, कुसुम द्वितीय व मिंटी तृतीय, 1500 मीटर रेस में अन्नू प्रथम, अंशुक द्वितीय व कुसुम तृतीय स्थान पर रही। ऊंची कूद में मिंटी प्रथम, पूजा द्वितीय व सपना तृतीय रही। लंबी कूद में मंजू प्रथम, पूजा द्वितीय, निकी तृतीय। गोला फेंक में सुदेश प्रथम, सीमा द्वितीय व पूजा तृतीय। भाला फेंक प्रतियोगिता में पूजा प्रथम, काजल द्वितीय व माफी तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में बेस्ट एथलिट का खिताब बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा अन्नू ने प्राप्त किया।

कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पर दूसरे दिन धरना प्रदर्शन, सैंकड़ों कर्मचारी भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर कुरुक्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पर दूसरे दिन धरना प्रदर्शन जिले से संकड़ों कर्मचारी भाग लेंगे। इसकी तैयारी को लेकर जिला प्रधान शिवचरण की अगुवाई में रोडवेज व नगरपालिका में गेट मीटिंग की गई। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान शिवचरण, जिला सचिव मास्टर रामपाल शर्मा, वरिष्ठ उपप्रधान ओमपाल भाल, कैशियर रामकुमार शर्मा, उपप्रधान छज्जू राम,रोडवेज से डिपो प्रधान अमित कुंडू, सचिव कृष्ण गुलियाना, सुरेश बनवाला,हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला प्रधान रामफल दयोहरा,सचिव मास्टर अमर नाथ किठानिया,सतपाल पांचाल,नगरपालिका से जिला प्रधान गौरव टांक व विक्की टांक ने कहा कि राज्य मे लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार राज्य मे बनी है और कर्मचारियों व आम मेहनतकश जनता की उपेक्षा व वादाखिलाफी कर रही है।एसकेएस राज्य की सरकार को मांगपत्र भेजकर बातचीत से समाधान करने की अपील कर चुका है,लेकिन सरकार बातचीत से समाधान करना नही चहती ओर इससे कर्मचारियों मे लगातार अक्रोश बढ रहा है।

कैथल। प्रदर्शन कर रोष जताते कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

कैथल। राजकीय महाविद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मनोज कुमार भाम्भू के द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में हरियाणा, चंडीगढ़ एवं दिल्ली के प्रकाशकों ने युवाओं के लिए पुस्तकों को प्रदर्शित किया। यहां पर विद्यार्थियों को उपयुक्त कीमतों पर बहुत अच्छे लेखकों की किताबों को पढ़ने व खरीदने का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने बताया कि वे दिल्ली पुस्तक मेले में जाना चाहते थे लेकिन घर से अधिक दूर होने के कारण व माता-पिता के द्वारा अनुमति न मिलने के कारण दिल्ली मेले में नहीं जा सकते। महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने भी इस प्रदर्शनी में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. भाम्भू ने कहा कि युवाओं को पुस्तकों के साथ जोड़ने के लिए व पढ़ने के लिए ऐसे आयोजन करना महाविद्यालय का दायित्व बनता है। पुस्तकालय अध्यक्ष शिवानी रोहिल्ला ने बताया कि पुस्तकों से मित्रता करके विद्यार्थी अपने जीवन में शिक्षा का ज्ञान जागृत कर सकते हैं। सभी व्यक्तियों को पुस्तकों से मित्रता करनी चाहिए ताकि वे अपने ज्ञान में विस्तार कर सकें।

आरकेएसडी कॉलेज में एक दिवसीय ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डा. संजय गोयल सेमीनार को संबोधित करते हुए

आरकेएसडी कॉलेज कैथल में शनिवार को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विकसित 'भारत-चुनौतियां, अवसर एवं कार्ययोजना' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन सेमिनार का आयोजन किया । यह सेमिनार उच्च शिक्षा निदेशालय पंचकूला के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की शुरूआत प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने स्वागत भाषण से की तथा उन्होंने अर्थशास्त्र विभाग के प्रयासों की सराहना की। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूरज वालिया ने सेमिनार विषय पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में स्टारेक्स विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर डॉ. मदन मोहन गोयल शामिल हुए। सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के नीति आयोग अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. मनमोहन कृष्ण ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि भारत सरकार के इसी संकल्प के कारण आज देश के प्रत्येक नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के कारण अनेक गरीब परिवारों को पक्के मकान मिले हैं। सेमिनार में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 260 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महिलाओं व बच्चों के लिए निःशुल्क योग ज्जबा और एरोबिक्स क्लास का शुभारंभ

पूंडरी। भारत विकास परिषद शाखा फतेहपुर-पूंडरी और पूंडरीक खेल एवं जन कल्याण ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में इनडोर स्टेडियम में महिलाओं और बच्चों के लिए निशुल्क योग, जज्बा और एरोबिक्स क्लास की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को स्वस्थ और फिट रखना है। कार्यक्रम के संयोजक अजीत सिंह रायका और निधि मोहन हैं। कार्यक्रम के संयोजक अजीत सिंह रायका और निधि मोहन ने बताया कि योग न केवल शारीरिक बल्कि, मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी है। योग में किए जाने वाले आसन, श्वसन क्रियाएं और ध्यान तकनीक शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिवान बनाए रखने में सहायक होते हैं। यह अस्थमा, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, गठिया, पाचन विकार और अन्य कई बीमारियों से राहत दिलाने में मदद करता है। साथ ही, यह जीवनशैली से जुड़ी कई समस्याओं जैसे कम फिजिकल एक्टिविटी, मोबाइल फोन का अधिक उपयोग और असंतुलित खानपान के प्रभाव को भी कम करने में सहायक होता है। कार्यक्रम की संयोजक निधि मोहन ने बताया कि कोई भी महिला या बच्चा इस निशुल्क क्लास में शामिल हो सकता है।

कैथलः पूर्व सैनिकों ने पुलगामा के शहीदों को छटी बरसी पर श्रद्धांजलि दे किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

14 फरवरी का ये दिन पूरे भारतवर्ष व हर भारतवासी के लिए एक काला दिवस है इस काले दिवस की संध्या पर पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल सायं 5:30 बजे हरियाणा शहीद स्मारक पार्क रोड कैथल पर एकत्रित हुई।उन्होंने अपने उन अमर शहीद जांबाज योद्धो को जिन्होंने 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में अपनी मातृभूमि के लिए बलिदान दिया उन 44 बलिदानियों को याद करते 44 मोमबत्ती लगाकर और पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इन अमर शहीदों की कुबार्नी के बारे में कैप्टन रवि दत्त शर्मा, कैप्टन नर सिंह ढुल ,लोक गायक कलाकार फौजी कर्मवीर, कैप्टन नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने वक्तव्य इन की कुबार्नी पर दे कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी ने बताया कि आज हमारे देश के कुछेक युवा शायद अपने रास्ते से भटके हुए हैं क्योंकि उनको 14 फरवरी 2019 का वह काला दिवस जिसकी बात चलते ही देश के हर नागरिक के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उसको वैलेंटाइन डे के रूप में पश्चिमी सभ्यता की तरह से मानते हैं वो ये भूल जाते हैं जो आज आप यह दिन मान रहे हैं और आप खुली हवा में सांस ले रहे हैं। वो अमर शहीदों की वजह से हैं जिन्होंने आज के दिन अपने आप को देश के ऊपर कुर्बान कर दिया था उन्होंने कहा हम अपनी एसोसिएशन की तरफ से राज्य व केंद्र सरकार से भी अनुरोध करते हैं की इस दिन को काला दिवस के रूप में पूरे देश भर में मनाया जाए जिससे हमारी आने वाली युवा पीढि को जांबाज योद्धाओ के बलिदान का पता चलता रहे और हर युवा में देशभक्ति का जज्बा पैदा हो इससे कि हमारे इन अमर वीर योद्धाओं का बलिदान नाजायज ना जाए। प्रधान ने यह भी बताया की राजकीय उच्च विद्यालय खरक पांडवा में 22 फरवरी को प्रातः 9:30 बजे अमर शहीद सिपाही भीषम सिंह के स्मारक का अनावरण किया जाएगा और 20 फरवरी को जंतर मंतर पर जाने के लिए सभी तैयार रहे साथ ही 9 मार्च को मासिक मीटिंग हनुमान वाटिका की बजाय हरियाणा शहीद स्मारक पर होगी।

कैथल। शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि देते पूर्व सैनिक । फोटो :हरिभूमि

नशे में फंसे व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए इलाज के लिए प्रेरित करने का किया आह्वान

कैथल। नशे के विरुद्ध कैथल पुलिस का जन जागरूकता अभियान लगातार जारी है। एसपी राजेश कालिया के निदेर्शानुसार जिला कैथल में पीएसआई रामलाल, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार तथा होमगार्ड शमशेर को शामिल करके नशा जागरूकता टीम बनाई गई है। जो उक्त टीम गांव गांव जाकर आमजन सहित युवा वर्ग को नशे के दुष्प्रभाव बारे जागरूक कर रही है। शनिवार को उक्त टीम द्वारा चीका में स्कुली विद्यार्थियों, महिलाओ व आमजन को नशे के कारण होने वाले नुकसान के बारे मे बताया गया। गौरतलब है कि नशीले पदार्थों का समाज में तेजी से चलन बढ़ रहा है। जिसकी चपेट में नवयुवक आ रहे हैं। युवाओं में विशेष कर स्कूल/ कॉलेज के छात्र-छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशा एक ऐसा पदार्थ है जिसके प्रयोग से मानव शरीर खोखला हो जाता है। शरीर की ताकत नशे की भेंट चढ़ जाने के कारण कैंसर, जिगर का खराब होना, फेफड़ों, दिल की बीमारी, शरीर का कमजोर होना, याददाश्त कमजोर होना, एड्स, मानसिक रोग आदि की बीमारी शरीर में घर कर सकती है। नशे की आदत एक बीमारी है। ज्यादातर सामाजिक, मानसिक तथा आर्थिक रूप से कमजोर लोक ही इसका शिकार होते हैं। इसलिए उनसे सहानुभूतिपूर्ण रवैया अपनाना चाहिए। नशे में फंसे व्यक्ति का मनोबल बढ़ाना चाहिए तथा इलाज के लिए प्रेरित करना चाहिए।

ग्राम पंचायत नहीं रोकेगी विकास कार्य

■ बैठक में सरपंच प्रतिनिधि के साथ किए व्यवहार पर आपत्ति जताई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हल्का विधायक सतपाल जांबा व पाई सरपंच प्रति निधि के बीच हुई नोंक जोक रुकने का नाम नही ले रही। इसी को लेकर पाई में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पाई के सभी पंचों व उनके प्रतिनिधियों तथा अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि विधायक के कहने पर पाई में चल रहे किसी भी विकास कार्यों को रोका नहीं जाएगा, चाहे इसका रिजल्ट कुछ भी निकले। बैठक में सरपंच प्रतिनिधि के साथ किये गये व्यवहार पर सभी ने आपत्ति जाहिर की। प्रेस नोट के माध्यम से पंचायत के सभी सदस्यों व ग्रामवासियों ने कहा कि विधायक के दौरे से नाराजगी हुई व मन को ठेस पहुंची, क्योंकि सरपंच एक सम्मानजनक पद है और इस दौरे के दौरान विधायक ने सरपंच के प्रति जो शब्द कहे और कार्यों में सिवरेंज में त्रुटियों का जिम्मेदार ग्राम पंचायत को ठहराना वह गलत है। इसके अलावा विधायक का गांव के विकास में कोई सहयोग अभी तक नहीं रहा।

उन्होंने कहा कि हमारे सरपंच राजबाला देवी व उनके पति नरेश पाई बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं व गांव की गलियों के निर्माण की उपलब्धि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि रही है। विधायक को गांव की बड़ी समस्याएं जैसे पानी निकासी, पीएचसी को सीएचसी में बदलवाने व नई बनवाने, लाइब्रेरी, पार्क, किसान भवन, सफाई, सड़कों आदि समस्याओं के बारे में संज्ञान लेना चाहिए, केवल दौरों से कार्य नहीं होगा। गांव पाई के निवासियों को विधायक पर बहुत उम्मीदें थी जिस पर वह खरा नहीं उतर रहे हैं।

कैथल। पंचायत करते पाई के ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

कार्यक्रम राजकीय स्कूल सारन में राज्य स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन

पूर्व राज्यमंत्री कमलेश ढांडा और दीप कमल सहारण ने किया विद्यार्थियों को सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत के ढूंढवा-कौलेखां गांव स्थित राजकीय वमावि में राज्य स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का सदन सजा। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश की पूर्व राज्य मंत्री एवं भाजपा नेत्री कमलेश ढांडा तथा विशिष्ट अतिथि जजपा के प्रदेश मीडिया प्रमुख दीप कमल सहारण, मास्टर विकास सहारण, प्रदीप ढुल पाई और विभिन्न गांवों के प्रतिनिधि सदन की कार्यवाही देखने पहुंचे। प्रतियोगिता एससीईआरटी गुरुग्राम के जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ के सौजन्य से हुई। प्रधानाचार्य जसमेर सिंह की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम चला। जसबीर काला, सुनील कुमार, रमेश कुमार और मनदीप के नेतृत्व में प्रतियोगिता संपन्न हुई। निर्णायक मंडल में एससीईआरटी गुरुग्राम से प्रमाणित डाइट रोहतक से डा.सतीश कुमार, महेंद्रगढ़ से डॉ. सुरेंद्र और भिवानी डॉ. ओमप्रकाश शामिल रहे। प्रतियोगिता में सत्ता पक्ष और विपक्ष के रूप में छात्रों ने संसद की प्रक्रिया को प्रस्तुत किया। सत्ता पक्ष में अंजली अध्यक्ष, शिवानी उपाध्यक्ष, सपना प्रधानमंत्री, परी शिक्षा मंत्री, दीक्षा पेट्रोलियम मंत्री, निशा गृह मंत्री, शब्दील कृषि मंत्री, सोनिया रेल मंत्री, आशा महिला एवं बाल विकास मंत्री, आर्यन खेल मंत्री और प्रियंका विदेश मंत्री बनीं। महासचिव की भूमिका प्रतिभा ने निभाई। विपक्ष में विशाल, बादल, प्रियंका और जन्नत प्रेस प्रवक्ता बने। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पेट्रोल के बढ़ते दाम, एकीकृत पेंशन योजना और खाद की समस्या जैसे मुद्दों पर बहस हुई। रेलवे संशोधन बिल भी पारित किया गया। यह प्रतियोगिता एससीईआरटी गुरुग्राम के जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ के सौजन्य से हुई। इसका उद्देश्य छात्रों में संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और तर्क-वितर्क की क्षमता को बढ़ावा देना था।

कैथल। विद्यार्थियों को सम्मानित करती पूर्व राज्य मंत्री कमलेश व अन्य।

कमलेश ढांडा ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर रही पूर्व राज्य महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा ने विशिष्ट अतिथि जेजेपी हरियाणा मीडिया प्रभारी कमलदीप सहारण, हरियाणा पेंशन बहाली संघर्ष समिति के राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल, जिला परिषद सदस्य वीरेंद्र सिंह, ढूंढवा गांव के सरपंच सुरेंद्र, कैलेखा गांव के सरपंच सज्जन सिंह, कलायत अनाज मंडी के प्रधान सुरेंद्र ढूंढवा, बीजेपी मंडल अध्यक्ष राजीव राणा, राजीव मालिक, खंड प्रधान ईश्वर बड़सीकरी, स्कूल प्रबंधन कमेटी प्रधान कर्मपाल और खंड शिक्षा कार्यालय से लिपिक सलीम निर्मल की मौजूदगी में विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर प्रवीण शर्मा, डीपी रमेश चंद, जगरूप सिंह, कुमारी पायल, सलिंदर मलिक, सुरेंद्र कुमार, मनधीर सिंह, वीरेंद्र सिंह, मोहन लाल सहित शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जींद। प्रशिक्षण देते हुए टीम। प्रशिक्षण देते हुए टीम।

विद्यार्थियों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

जींद। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एनडीआरएफ की टीम ने स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शनिवार को जुलाना के राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किलाजफरगढ़ए गांव गतौली के राजकीय कन्या हाई स्कूल में आपदा प्रबंधन एवं जीवन रक्षक तकनीकों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में एनडीआरएफ टीम इंचार्ज इंस्पेक्टर त्रिलोक सिंह के नेतृत्व में हवलदार भीनवा राम, आशीष मोहंती, तथा महिला सदस्य पूनम और अमिता ने भाग लिया।

महाशिवरात्रि पर होगा आध्यात्मिक सम्मेलन

सफीदों। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आगामी 17 फरवरी को सुबह 8 बजे खुशियों का महाकुंभ आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सफीदों सैंटर इंचार्ज बहन स्नेहलता ने बताया कि यह सम्मेलन ब्रह्माकुमारीज हैप्पी हाल में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में आचार्य परमानंद महाराज कटनी (मध्यप्रदेश) व राजयोगी ब्रह्मकुमार भ्राता भारतभूषण का सानिध्य प्राप्त होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लें।

बाता से विवाहिता संदिग्ध हालत में लापता

कैथल। कलायत के गांव बाता से 31 वर्षीय विवाहिता लापता हो गई। बाता गांव के एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि 26 जनवरी को उसकी 30 वर्षीय पत्नी दोपहर को 12:00 बजे अपने मायके जाने के लिए गई थी लेकिन इसके बाद उसे कोई पता नहीं चला। न तो वह मायके पहुंची तथा नहीं इसके बाद वापस आई। मामले के जांच अधिकारी अमित ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिव्यांग पर पांच लोगों ने हमला बोला, केस दर्ज

ढांड। अपने प्लाट में घर का निर्माण कार्य करवा रहे दिव्यांग पर पांच लोगों ने हमला बोल दिया। इससे दिव्यांग व्यक्ति हमले में घायल हो गया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें चार-पांच व्यक्ति एक दिव्यांग के साथ मार पिटाई करते नजर आ रहे हैं और वीडियो में लाठी में गंडासी लाने की बात भी सुनाई दे रही है। ढांड पुलिस को दी शिकायत में कौल निवासी दिव्यांग बलवान ने आरोप लगाया है कि वह अपने प्लाट में मकान बनवाने का कार्य करवा रहा था। पड़ोस में रहने वाले कर्ण सिंह ने अपने चार साथियों के साथ वहां पर आया और उसके साथ गाली गलौच करने लगा।

विदेश भेजने का झांसा देकर ठगी करने वाला काबू

जींद। उचाना थाना पुलिस ने कनाडा भेजने का झांसा देकर 15 लाख रुपये हडपने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव दुर्जनपुर निवासी जसविंद्र तथा अंकित ने गत आठ नवंबर को पुलिस को दी शिकायत मे बताया था कि अंकित का भाई सुमित सिंगापुर में पिछले दो साल से कार्य कर रहा था। सुमित ने सिंगापुर भेजने वाले एजेंट जोरा सिंह के बारे में बताया था। संपर्क साधने पर जोरा ने पहले दो साल वर्क वीजा पर सिंगापुर भेजने तथा बाद में दोनों को कनाडा भेजने की बात कही। सब कुछ तय होने के बाद 15 लाख रुपये आरोपित तथा उसके द्वारा दिए गए खातों में डाल दिए। जिसमें से दो लाख 70 हजार रुपये गांव रूडकी निवासी मोहित हुड्डा के खाते में डाले गए थे। बावजूद इसके उन्हें सिंगापुर नही भेजा गया।

सीबीएसई बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की परीक्षा नकलरहित संपन्न

- दसवीं की परीक्षा में 40 विद्यार्थी गैर हाजिर रहे, 12वीं में नही रहा कोई
- अब सोमवार को होगी दसवीं की व 12वीं की परीक्षा

जींद। परीक्षा देकर परीक्षा केंद्र से बाहर आते हुए परीक्षार्थी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिलाभर में शनिवार को सीबीएसई बोर्ड की 10वीं व 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पहले दिन 10वीं कक्षा का अंग्रेजी व 12वीं कक्षा की इंटरप्रोनशिप विषय की परीक्षा हुई। परीक्षा को लेकर 17 सेंटर सीबीएसई के जिला जींद में बनाए गए हैं। इनमें कक्षा दसवीं के 5241 और कक्षा 12वीं के 4315 विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं। शनिवार को हुई दसवीं की परीक्षा में 40 विद्यार्थी गैर हाजिर रहे जबकि 12वीं कक्षा में कोई भी विद्यार्थी गैर हाजिर नहीं रहा और दोनों कक्षाओं की परीक्षा नकल रहित रही। सुबह दस बजे से लेकर दोपहर डेढ़ बजे तक परीक्षा हुई। परीक्षार्थी तय समय में अपने-अपने सेंटरों पर पहुंचे और जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें परीक्षा केंद्र में जाने दिया गया। विद्यार्थियों को परीक्षा में स्कूल की वर्दी में आना अनिवार्य किया गया है। वहीं विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान किसी भी आभूषण, स्मार्टवॉच और कैलकुलेटर जैसी चीजों को साथ में नहीं लाने के निर्देश थे। परीक्षा केंद्र के गेट पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। कड़ी जांच के बाद विद्यार्थियों को केंद्र में प्रवेश करने दिया गया। इस दौरान कड़े सुरक्षा प्रबंध भी रहे।

ये रहेगा शेड्यूल

रविवार को छुट्टी होने के चलते न तो दसवीं और न ही बारहवीं की परीक्षा होगी। सोमवार 17 फरवरी को दसवीं कक्षा की म्यूजिक की होगी। वहीं 12वीं की फिजिकल एजुकेशन परीक्षा आयोजित होगी। केंद्रीय माध्यमिक विद्यालय बोर्ड ने सभी विद्यार्थियों और संस्था प्रधान के लिए आदेश जारी किए हैं कि बोर्ड के ऑफिशियल पोर्टल पर प्रवेश पत्र जारी होने के बाद संबंधित संस्था प्रधान से प्रवेश पत्र का सत्यापन करवाना अनिवार्य करें।

40 विद्यार्थी रहे गैरहाजिर

जिला कोऑर्डिनेटर सीबीएसई अरूणा शर्मा ने बताया कि शनिवार को दसवीं व 12वीं की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई है। पहले दिन 10वीं कक्षा की परीक्षा में 40 विद्यार्थी गैर हाजिर रहे जबकि 12वीं कक्षा की परीक्षा में सभी विद्यार्थी हाजिर रहे। वहीं विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रखने के लिए सीबीएसई मनोसामाजिक परामर्श दिया जा रहा है। यह परामर्श चार अप्रैल तक जारी रहेगा। इसमें परीक्षा से पूर्व, परीक्षा के दौरान और परिणाम के बाद तनाव मुक्त रखने के लिए परामर्श दिया जाएगा।

दवाओं के विकल्प के तौर पर चलाया जा रहा काम

नागरिक अस्पताल में दवाओं का टोटा, मरीज हो रहे परेशान

- क मानसिक रोगियों की कई तरह की दवाईयों के अलावा सामान्य भी खत्म
- खांसी की कफ सिरप, गैस की एम्प्राजोल व एंटासिड, दर्द की डाईक्लो पैरा नही

जींद। दवा खिड़की पर लगी लाइन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में बजट के अभाव से कई कार्य रूक गए हैं। पहले ऑक्सीजन प्लांट ठीक नही हो पाया, फिर एक्सरेश मशीन की कैसेट खराब हुई। फिर जन औषधि केंद्र का कार्य भी बजट के अभाव में रूक गया। अब नागरिक अस्पताल में कुछ दवाओं की कमी हो गई है। ऐसे में इन दवाओं को लेने के लिए अस्पताल में आने वाले मरीजों को अपनी जेब ढीली करनी पड़ रही है। आम दवाओं की उपलब्धता नही हो पा रही नागरिक अस्पताल में मानसिक रोगियों की कई तरह की दवाइयां खत्म हैं। तो कई कम हैं। इसी तरह खांसी की कफ सिरप, गैस की एम्प्राजोल व एंटासिड, दर्द की डाईक्लोपैरा खत्म हुई हैं। हालांकि अस्पताल द्वारा इन दवाओं के विकल्प के तौर पर काम चलाया जा रहा है। बावजूद इसके मानसिक रोगियों की दवाओं का न तो कोई विकल्प है। जिसके चलते मजबूरन इन दवाओं को बाहर से महंगा खरीदाना पड़ रहा है। स्वास्थ्य मुख्यालय को भी अस्पताल प्रशासन ने कई बार व्यवस्थाओं में सुधार के लिए बजट की मांग की है लेकिन अस्पताल प्रशासन को बजट उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा। अस्पताल की लैब की भी व्यवस्थाएं चरमराई हुई हैं। इसमें भी कई तरह की जांच बंद हैं। सीबीसी पार्ट पांच के लैब में रीजेंट नहीं होने के कारण व फली ऑटोमेटिक बॉयोकैमिस्ट्री एनालाइजर कीट नहीं होने से बंद पड़ी है। दूसरी तरफ नागरिक अस्पताल के नए भवन में रखी एक्सरे मशीन भी लगभग दो माह से बंद है। इस मशीन के चलवाने के लिए पांच लाख रुपये की राशि से टेंडर भी लगाया गया था लेकिन टेंडर प्रक्रिया में कोई एजेंसी शामिल नहीं हुई। इसके कारण अब मरीजों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। हर गंभीर स्थित के दौरान मरीजों को टीबी वार्ड में चल रही मशीन से एक्सरे करवाने पड़ रहे हैं लेकिन यहां बिजली जाने पर मरीजों को परेशानी होती है। इसके अतिरिक्त बजट के अभाव में ऑक्सीजन प्लांट भी बंद पड़ा है। कोरोना कॉल में यह प्लांट अस्पताल में लगवाया गया था। बाद में इसमें खराबी आने के कारण यह बंद हो गया। नागरिक अस्पताल में न तो सीएमओ और न ही पीएमओ हैं। अस्पताल की व्यवस्थाएं अतिरिक्त कार्यभार पर चली हुई हैं। इसके कारण अस्पताल को बजट उपलब्ध नहीं हो पा रहा। जब तक अस्पताल में शीर्ष के इन दोनों पदों पर नियु?क्ति नहीं होती। उस समय तक यह समस्याएं बरकरार रहने का डर है।

ये बोले अधिकारी

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि जो दवाएं अस्पताल के पास नही हैं, उनके विकल्प (सब्टिच्यूट) के तौर पर काम चलाया जा रहा है। दवाओं की कमी को लेकर स्वास्थ्य मुख्यालय को अवगत करवा दिया गया है। जैसे ही दवाओं का स्टॉक उपलब्ध होता है, उसे दवा खिड़की पर उपलब्ध करवा दिया जाता है।

नहीं शुरू हो पाया जन औषधि केंद्र

नागरिक अस्पताल में दवाइयां खत्म होने पर विकल्प के तौर पर जन औषधि केंद्र खोलने की योजना चली हुई है ताकि अस्पताल में दवाई खत्म होने पर जन औषधि से सस्ते दामों पर मरीजों को दवाइयां मिल सकें लेकिनन अभी तक इसका काम भी प्रोसेस में है। सीएमओ व पीएमओ नहीं होने पर बनी दिक्कत।

जींद। देवीलाल चौक एरिया में जागरूकता अ?भियान चलाते सेव संस्था पदाधिकारी।

दुकानदार दुकान के आगे डस्टबिन रखें: नरेंद्र नाडा

- कडस्टबिन का प्रयोग किए बिना नहीं रह सकती स्वच्छता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सामाजिक संस्था सोसाइटी फोर एडवांसमेंट आर्फ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट सेव ने शनिवार को रोहतक रोड रजबाहा नंबर सात से देवीलाल चौक एरिया में सफाई व जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था के प्रधान नरेंद्र नाडा की अध्यक्षता में चलाया गया यह 414वां अभियान था। संस्था सदस्यों ने दुकानों के बाहर पड़े पॉलिथीन को उठाते हुए लोगों को स्वच्छता का संदेश देने का प्रयास किया। नरेंद्र नाडा ने कहा कि हर दुकानदार को अपनी दुकान के आगे डस्टबिन रखना चाहिए ताकि कूड़ा नीचे फेंकते वक्त उसे डस्टबिन दिखाई दे। हम डस्टबिन को छुपा कर रखते हैं, इसलिए सारा कूड़ा डस्टबिन में नहीं जाता। यदि हर आदमी कूड़ा डस्टबिन में डालने लगे तो स्वच्छता सुनिश्चित है।

स्वच्छता जरूरी

डस्टबिन का प्रयोग किए बिना स्वच्छता नहीं रह सकती। इसलिए हर आदमी को डस्टबिन का प्रयोग करने की आदत अपनानी चाहिए। डस्टबिन नगर परिषद को गाड़ी को देना चाहिए। सभी लोग डस्टबिन का प्रयोग करेंगे, उसी से हमारा शहरए गांव और देश सुंदर होगाए हमारा बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस अवसर पर सत्यमुनी वानप्रस्ती, बलबीर सिंह श्योकंद, हरबीर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

भवन निर्माण कारीगर यूनियन ने मांगों को लेकर की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ढांड

ढांड। दरान में नारेबाजी करते कर्मचारी

गांव बंदराना की मजदूर चौपाल में भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन की समस्याओं को लेकर मीटिंग हुई। इसकी अध्यक्षता विकास कुमार ने की। मुख्य वक्ता के तौर पर जिला सचिव विनोद कुमार शाक्य ने बात रखी। जिला उपाध्यक्ष शीशपाल ने भी मीटिंग को सम्बोधित किया। सभी वक्ताओं ने भवन निर्माण व मनरेगा मजदूरों के सामने आ रही समस्याओं को हल करने की सरकार से अपील की। इसको लेकर 17 फरवरी को कैथल में केंद्रीय ट्रेड यूनियन एआईयूटीयूसी की ओर से मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार को जिला उपायुक्त की मार्फत ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसमें मजदूर विरोधी चार लेबर कोड रद्द करने, मजदूरों को सारा साल काम देने, बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी पर रोक लगाने, मनरेगा स्कीम में 700 रु प्रतिदिन दिहाड़ी लागू करने, भवन निर्माण मजदूरों की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल करने, विभाग में फैले भ्रष्टाचार पर रोक लगाने, मिलने वाले हितलाभ का पैसा जल्दी डालने व उसमें महंगाई के हिसाब से पैसों में बढ़ोतरी करने, मजदूर यूनियनों को तस्दीक करने की जिम्मेदारी देने, कल्याण बोर्ड में यूनियन के सदस्य शामिल करने आदि मांगों को लेकर ये ज्ञापन दिया जायेगा। दूसरी तरफ 25 फरवरी को चण्डीगढ़ में होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की गई।

स्कूल में आयोजित हुआ समर्पण कार्यक्रम

सफीदों। नगर के स्वामी निगमबोध तीर्थ गीता विद्या मंदिर में शनिवार को समर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रबंधन समिति के चेयरमैन जयप्रकाश गोयल ने की। वही मुख्यवक्ता के तौर पर समाजसेवी जितेंद्र गर्ग ने शिरकत की। कार्यक्रम का संयोजन स्कूल प्राचार्या रूचि कंसल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन करके किया गया। उसके उपरांत उपस्थित लोगों ने धनराशि का समर्पण किया। अपने संबोधन में जितेंद्र गर्ग ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का कथन है कि यदि आप किसी व्यक्ति को भोजन जैसी दैनिक आवश्यकताओं के बजाय शिक्षा प्रदान करते हैं, तो वह व्यक्ति असंख्य लोगों को उनकी आवश्यकताओं के लिए योग्य बना सकता है। विद्या भारती द्वारा पूरे देश में लगभग 25 हजार विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है।

जनता को भाजपा के सुशासन पर पूरा विश्वास : हजवाना

- भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ने कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर जोश भरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। गांव संगरौली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुभाष हजवाणा।

देश व प्रदेश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सुशासन व विकास की गारंटी पर पूरा भरोसा है। यह विचार भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष हजवाना ने गांव संगरौली में कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि देश में जहां भी चुनाव हो रहे हैं जनता ने दिल खोलकर भाजपा को समर्थन व आशीर्वाद दिया है। हरियाणा महाराष्ट्र के बाद अब दिल्ली विधानसभा चुनावों में जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत दिया है। केंद्र के साथ रा'यों में भी लगातार बार-बार जनता ने प्रधानमंत्री की लोक कल्याणकारी योजनाओं, भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन और विकसित भारत के संकल्प पर अपनी मोहर लगाई है। प्रधानमंत्री का आत्मीय अंदाज, ज'बा, कुशलता, नेतृत्व क्षमता ऐसे प्रमाण है, जिसके आगे हर राह आसान हो जाती है।

प्रदेश सरकार भी पार्टी के मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास पर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र उस व्यक्ति तक पहुंच रहा है, जो उसके योग्य है। इस मौके पर काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

छात्राओं को अश्लील इशारे करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

प्रिंसिपल बलजीत लांबा।

सफीदों नगर के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के साथ लगते रामलीला ग्राउंड में बैठकर शनिवार को तीन युवक स्कूल की छात्राओं को अशील इशारे कर रहे थे। स्कूल प्रिंसिपल ग्राऊंड में पहुंचे तो वे युवक वहां से भाग गए। प्रिंसिपल ने खुद उन युवकों का पीछा किया और उनमें से एक को पकड़ लिया। प्रिंसिपल ने पुलिस को बुलाकर उस युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले में प्रिंसिपल बलजीत लांबा ने एक लिखित शिकायत पुलिस को दी है। स्कूल के प्रिंसिपल बलजीत लांबा ने बताया कि पिछले कई दिनों से छात्राओं की ओर से शिकायत मिल रही थी कि कुछ युवक स्कूल के साथ लगते रामलीला मैदान में बैठकर उनकी ओर अशील ईशारे कर रहे हैं। यह मामला संज्ञान में आने के बाद ख्खुद वे और स्टाफ अलर्ट मोड पर थे। शनिवार को छात्राओं ने बताया कि वे युवक रामलीला मैदान में बैठकर अशील ईशारे कर रहे हैं। छात्राओं के द्वारा जानकारी देने के बाद वे दबे पांव मैदान में आए तो वे युवक वहां से भाग गए। उन्होंने कुछ दूरी बनाकर खुद उन युवकों का पीछा किया और मौका लगा कर उन्हे पकडऩा चाहा तो एक युवक तो उनके काबू में आ गया लेकिन दो युवक भ्भागने में कामयाब हो गए। उनके द्वारा युवक को पकड़कर स्कूल में लाया गया और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रिंसिपल ने युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। इस संबंध में प्रिंसिपल ने पुलिस को एक लिखित शिकायत कार्रवाई की मांग की।

संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा की राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

मार्च में आंदोलन करने की तैयारी में किसान

- किसानों ने मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

जींद। बैठक में भाग लेते हुए किसान। फोटो : हरिभूमि

नरवाना संयुक्त किसान मोर्चा हरियाणा की राज्य स्तरीय बैठक नरवाना के चौधरी घासी राम नैन किसान रेस्ट हाउस में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बलबीर सिंह, रतन मान और सुखविंदर ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान मोर्चा के राष्ट्रीय आंदोलन की दिशा में आगामी प्रदेशव्यापी रणनीति पर चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

ये बोले किसान नेता

यह लिए गए निर्णय नई कृषि बाजार नीति और अन्य लंबित मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन 11 मार्च को किया जाएगा। मार्च में बड़े स्तर पर किसानों की मांगों को लेकर एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। पर्यावरण और गिरते भूजल स्तर पर चिंतारू सरकार से जनहितैषी और किसान हितैषी पर्यावरण नीति बनाने की मांग की गई। मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने का निर्णयरू हरियाणा में प्रस्तावित कृषि बाजार नीति को लागू न करने की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री को ज्ञापन देगा। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने सरकार की किसान विरोधी नीतियों पर गहरी नाराजगी जताई। मोर्चा ने कहा कि सरकार किसानों के हक में नीतियां बनाने का दिखावा कर रही है। जबकि फसल खराबे के मुआवजे और बीमा क्लेम वर्षों से लंबित पड़े हैं। खरीफ फसल के लिए दो हजार रुपये प्रति एकड़ सूखा राहत राशि अभी तक सभी किसानों को नहीं मिली है। गांवों में बिजली के मीटर बाहर न निकालने और स्मार्ट मीटर योजना लागू न करने की मांग की गई। बढ़ती गर्मी के कारण गेहूं की फसल पर बोनस देने और सरसों की खरीद शीघ्र शुरू करने की जरूरत बताई गई। ड्रेनों की सफाई और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव रोकने के उपाय करने की मांग की गई। आगामी रणनीति संयुक्त किसान मोर्चा ने ऐलान किया कि सात मार्च को नरवाना में एक बैठक कर प्रदेशभर में अनिश्चितकालीन आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। मोर्चा ने सरकार पर कॉर्पोरेट घरानों के पक्ष में खड़े होने का आरोप लगाया और कहा कि जलवायु परिवर्तन की मार सबसे अधिक किसानों पर पड़ रही है। बैठक को जोगेंद्र नैन, कवरजीत चिका, तेजिंदर, सतीश आजाद, करनैल सिंह व अन्य मौजूद रहे।

बदलते दौर के साथ बदलती लाइफस्टाइल, शामिल होती टेक्नीक और नई सोच के आधार पर अलग-अलग जेनरेशन का नामकरण किया जाता रहा है। इसी सीरीज में विगत 1 जनवरी से जेनरेशन अल्फा को पछाड़कर, जेन बीटा वजूद में आया है। यह जेनरेशन अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे अलग है, इसकी क्या खासियतें होंगी, जानना बहुत दिलचस्प है।

जेन अल्फा भी हुई पुरानी
आ गई जेनरेशन बीटा

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

जेनरेशन बीटा यानी जेन बीटा का आगमन हो चुका है। विगत 31 दिसंबर 2024 को न्यू जेनरेशन की कुर्सी से जेन अल्फा को उतार दिया गया और 1 जनवरी 2025 को इस पर जेन बीटा को बैठा दिया गया। जो लोग कुछ कंफ्यूज हो रहे हों, उन्हें बता दें कि जेन बीटा एक अनुमानित पीढ़ी (हाइपोथीसियल टेक्नोजेनरेशन) है, जो 1 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है और उसके पहले तक जो जेन अल्फा थी, वह भी एक अनुमानित पीढ़ी ही थी, जिसका वक्त 31 दिसंबर 2024 से खत्म हो गया।

डिफरेंट जेनरेशन का कॉन्सेप्ट

यह एक निश्चित समय अवधि के तकनीकी विकास, जीवनशैली, काम-काज, सोच और भविष्य दृष्टि को इस समय अवधि में पैदा होने वाली पीढ़ी के जरिए देखने का तरीका है। दूसरे शब्दों में यह समाजशास्त्रीय चश्मे से एक निश्चित समय अवधि और उस अवधि में पैदा हुए लोगों के जरिए दुनिया को देखने की नजर है। यह सिलसिला यूं तो पिछली सदी के 50 के दशक से ही शुरू हो गया था, जब उस दौर की नई पीढ़ी को हिप्पी या यिप्पीज के रूप में चिन्हित किया जाने लगा था। लेकिन सही मायने में 80 के दशक से यह सिलसिला शुरू हुआ, जब अलग-अलग समय अवधि को उस दौरान दुनिया में आई नई पीढ़ी के जरिए देखने की शुरुआत हुई। इसलिए इन पीढ़ियों के कृत्रिम विभाजन को इस तरह जानने और पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए कि अलग-अलग दशकों की, अलग-अलग पीढ़ियों की आखिरकार खूबियां क्या हैं? कुल मिलाकर जब इस नजरिए से हम जेन बीटा की बात करते हैं तो फिलहाल इसका मतलब यह अनुमान लगाने से है कि जेनरेशन बीटा यानी 2025 से पैदा होने वाली नई पीढ़ी अपनी पुरानी पीढ़ियों से कैसे भिन्न होगी?

ऐसी होगी जेन बीटा

चूंकि जेनरेशन बीटा, पूरी तरह से सुपर टेक्नोलॉजी युग में पैदा हो रही है, इसलिए यह टेक्नोलॉजी में इनोवेटेड लाइफस्टाइल वाली जेनरेशन होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक, ऑगमेंटेड रिएलिटी/वर्चुअल रिएलिटी और लाखों तरह की स्मार्ट डिवाइसेस, इस पीढ़ी की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होंगी। यह पहली ऐसी जेनरेशन होगी, जिसके सोचने, समझने, बर्ताव करने और समग्रता से जीवन जीने की सभी प्रक्रियाओं में टेक्नोलॉजी की भरमार होगी।

हाइपर कनेक्टेड जेनरेशन

जेन बीटा वह पीढ़ी होगी, जो लगभग पूरी दुनिया से एक साथ फिजिकल भी और वर्चुअल भी, एक ही समय पर कनेक्ट होगी। लेकिन संकट यह होगा, चूंकि इसने दोनों ही दुनियाओं को एक साथ एक ही समय में देखा है, इसलिए यह दोनों में बहुत फर्क नहीं कर पाएगी। यह पीढ़ी दोनों के साथ ही सहज होगी। साथ ही इस जेनरेशन की पहचान, किसी एक संस्कृति की न होकर मल्टी कल्चरल पीढ़ी की होगी। इंटरनेट और ग्लोबलाइजेशन के कारण न सिर्फ यह पीढ़ी, पुरानी किसी भी पीढ़ी के मुकाबले कहीं ज्यादा कल्चरल डायवर्सिटी और ग्लोबल थॉट के साथ बड़ी और खड़ी होगी बल्कि इसके लिए अपनी और पराई संस्कृति में उस तरह से फर्क कर पाना मुश्किल होगा, जैसे अब तक की पीढ़ियां करती रही हैं। इस जेनरेशन में हिंदी बोलने वाले इलाकों के युवाओं के गानों की भी पहली पसंद अमेरिकन और अफ्रीकन रैप हो सकती है और अमेरिकन यंगस्टर्स की भी पसंदीदा मिठाइयों में जलेबी और इमरती शामिल हो सकती है। क्योंकि इस नई बीटा जेनरेशन में कल्चरल अलगाव किसी भी स्तर पर उतना नहीं होगा, जैसा पहले होता रहा है।

ये भी होंगी इनकी खासियतें

यह जेनरेशन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के व्यावहारिक दौर में पैदा होगी, उसी के साथ पलेगी-बढ़ेगी, शिक्षित होगी, हेल्थ और एंटरटेनमेंट की भागीदार भी होगी। यह जेनरेशन पिछली पीढ़ियों के मुकाबले टेक्नोलॉजी की समझ को लेकर इस तरह से अलग होगी कि पिछली पीढ़ियां, जहां नई टेक्नोलॉजी को समझने वाली थीं, वहीं यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी को बदलने वाली होगी। इस पीढ़ी का एक और बड़ा फर्क सबको दिखाई देगा, वह है इस पीढ़ी की परिवार संरचना में आया जबर्दस्त बदलाव। यह पीढ़ी पूरी तरह से डिजिटल परिवार संरचना वाली होगी। इसका पारिवारिक गठन बेहद लचीला होगा, जहां पुरानी सामाजिक संरचनाएं करीब-करीब नहीं मिलेंगी।

कह सकते हैं कि 1 जनवरी 2025 से शुरू हुई जेन बीटा, जेन अल्फा (2010 से 2024) से तो मीलों आगे होगी ही। साथ ही अपनी पूर्वज पीढ़ियों जैसे एक्स, वाई, जेड से तो यह लगभग प्रकाशवर्ष के फासले पर होगी। इसके शायद ही कोई लक्षण उन पीढ़ियों से मिलेंगे। लब्बोलुआब यह कि जेन बीटा अब तक की सबसे मॉडर्न, सबसे ज्यादा ग्लोबल और जीवनशैली के मामले में सबसे तेज रफ्तार होगी। *

एन्वॉयर्नमेंट को लेकर होगी अवेयर

कुछ दशकों पहले तक इंसान को धरती की जिस एक चीज को लेकर बेहद संवेदनहीन देखा गया था, वह पर्यावरण हुआ करता था। पिछली सदी के 50 के दशक में तो जब दूसरे विश्व युद्ध के बाद युद्ध से तहस-नहस दुनिया के पुनर्निर्माण का दौर शुरू हुआ, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत पेड़ों, जंगलों, नदियों और समुद्र आदि को चुकानी पड़ी। दरअसल, उस समय यह संवेदना ही नहीं थी कि विकास के लिए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, नदियों में हर तरह के गंदे और जहरीले पानी को बहाना कहीं से गलत भी है। इसी तरह समुद्र का अंधाधुंध दोहन आदि तो उस समय, विकास और प्रगति की निशानी थी। लेकिन जब इस सबकी अति हो गई तो पता चला कि इंसान ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है और फिर शुरू हुआ पर्यावरण के प्रति संवेदना जगाने का सिलसिला। लेकिन विकास और पर्यावरण विनाश के बीच वैचारिक रूप से फंसी बुनियादी पुरानी पीढ़ियां पर्यावरण के प्रति उतनी संवेदनशील नहीं हो सकती थीं, जितनी जरूरत थी। लेकिन यह जेन बीटा, पर्यावरण को लेकर बेहद संवेदनशील होगी। यह पैदा होने के साथ ही पर्यावरण के महत्व को समझने के लिए मजबूर होगी और शुरू से ही इसके अनुकूल जीवन जीने की कोशिश करेगी।

समझदारी से करनी होगी
जेन बीटा की पैरेंटिंग

टेक्नोबेस्ड लाइफस्टाइल के बढ़ते चलन की वजह से नई जेनरेशन के बच्चों की पैरेंटिंग भी किसी चैलेंज से कम नहीं है। जेन बीटा के बच्चों की पैरेंटिंग करते समय पैरेंट्स किन बातों का ध्यान रखें, आप सभी को जरूर मालूम होना चाहिए।

सजेशन
रजनी अरोड़ा

इस साल की शुरुआत में मार्क मैक्रिंडल और वैज्ञानिकों द्वारा मानव जगत के इतिहास में नई पीढ़ी 'जेन-बीटा' की घोषणा की गई। यानी पहली जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को जेन-बीटा का माना गया है। यह वो जेनरेशन है, जो हाई-टेक डिजिटल वर्ल्ड में जन्म ले रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, मेटावर्स और स्मार्ट डिवाइसेज उनकी जिंदगी का मुख्य हिस्सा होंगे। हालांकि जेन-बीटा के बच्चे दूसरों से अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट और बुद्धिमान होंगे। फिर भी उन्हें जिंदगी के विभिन्न पहलुओं के साथ सामंजस्य बिठाने में कई तरह की समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। ऐसे में निश्चय ही पैरेंट्स की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। उन्हें खुद अपडेट रहना होगा और पैरेंटिंग की अलग एप्रोच अपनानी होगी ताकि इन बच्चों की ओवरऑल डेवलपमेंट (शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक विकास) अच्छी तरह हो सके।

बैलेंस्ड स्क्रीन टाइम: जेन-बीटा बच्चों को छुटपन से ही डिजिटल टूल्स और स्क्रीन का एक्सपोजर मिलेगा। वर्चुअल दुनिया में ज्यादा समय बिताने से उनके शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है। डिजिटल ओवरलोड के कारण बच्चों में फोकस की कमी, नींद की समस्या और आंखों की थकान बढ़ सकती है। ऐसे में पैरेंट्स को टेक्नो-बाउंड्रीज तय करनी होंगी। बचपन से ही बच्चों को स्क्रीन टाइम और रियल लाइफ में बैलेंस बनाने, नियमित रूप से डिजिटल डिटॉक्स करने, नो स्क्रीन जोन का पालन करने, सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन बंद करने जैसी हेल्दी हैबिट्स विकसित करनी होंगी। स्क्रीन का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके, सीखने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए करना होगा। दोस्तों से मिलने-जुलने, आउटडोर गेम्स खेलने और फिजिकली एक्टिव रहने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

मेंटल हेल्थ का रखना होगा ध्यान: डिजिटल टेक्नोलॉजी के एक्सपोजर के कारण जेन-बीटा के बच्चों में स्ट्रेस, एंग्जाइटी, अकेलापन जैसी मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पैरेंट्स को अपने बच्चों के भावनात्मक और मानसिक स्तर पर नजर रखनी होगी। दोस्ताना और ओपन कम्युनिकेशन का रवैया अपनाना होगा ताकि बच्चे अपनी भावनाओं और समस्याओं के बारे में खुलकर बात कर सकें। मानसिक रूप से संतुलित और शांत रहने के लिए उन्हें बचपन से ही माइंडफुलनेस आधारित एक्टिविटीज करने और नियमित मेडिटेशन करना सिखाना होगा।

सोशल स्किल्स को बढ़ावा देना: संभव है कि जेन-बीटा के बच्चों के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल फ्रेंड्स ज्यादा, असल जिंदगी में कम दोस्त होंगे। एआई चैटबॉक्स जैसे ऑनलाइन कम्यूनिकेशन टूल्स का ज्यादा इस्तेमाल करने की आदत उनमें हो सकती है। एकल परिवार के बढ़ते ट्रेंड और वर्किंग पैरेंट्स द्वारा पर्याप्त समय न दे पाने के कारण जेन-बीटा बच्चों में भावनात्मक जुड़ाव की कमी हो सकती है। जिसके चलते उन्हें नाते-रिश्तेदारों यहां तक कि हम उम्र बच्चों के साथ बातचीत करने, मिलने-जुलने या संबंध स्थापित करने में दिक्कत आ सकती है। अकेलेपन का शिकार हो सकते हैं। इसलिए जेन-बीटा बच्चों में इमोशनल बॉन्डिंग और सोशल स्किल विकसित करने के लिए पैरेंट्स को बचपन से ही ध्यान देना होगा। न केवल रिश्तों और नैतिक मूल्य का महत्व समझाने के लिए नियमित तौर पर फैमिली टाइम बिताना होगा, बल्कि रियल वर्ल्ड में सोशल कनेक्शन बनाने को अहमियत देनी होगी। स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों, ग्रुप एक्टिविटीज, आउटडोर एक्टिविटीज करने, दूसरे बच्चों के साथ खेलने, त्योहारों, फैमिली या सोशल गैदरिंग में ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना होगा।

क्रिएटिविटी को देना होगा बढ़ावा: जेन-बीटा बच्चों के लिए नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना और इंटरैक्टिव लर्निंग तकनीक अधिक प्रभावी होगी। मेमोरी-बेस्ड लर्निंग के बजाय कॉग्निटिव स्किल्स विकसित करनी होगी। यानी रटने की बजाय समस्या को हल करने की क्षमता बढ़ाने और बच्चों में आजीवन सीखने की आदत डालनी होगी। क्रिटिकल-थिंकिंग, प्रॉब्लम-सॉल्विंग, इनोवेशन या क्रिएटिविटी का विकास करना होगा। इसके लिए पैरेंट्स को उन्हें पजल्स, प्रोजेक्ट, दिमागी कसरत वाली एक्टिविटीज ज्यादा करानी होंगी।

डिजिटल सेफ्टी की देनी होगी जानकारी: एआई के जमाने में जेन-बीटा बच्चे को सोशल मीडिया और इंटरनेट के खतरों का सामना भी करना पड़ सकता है। जिसका असर उनकी पर्सनालिटी और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इससे बचाने के लिए पैरेंट्स को उन्हें सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल सिखाना होगा। उन्हें शुरू से ही साइबरबुलिंग, मिसइंफॉर्मेशन और प्राइवेसी कंसर्न जैसे ऑनलाइन खतरों के बारे में जागरूक करना होगा। पासवर्ड की सुरक्षा, अजनबियों से ऑनलाइन बात न करना, डाटा चोरी से बचाव जैसे साइबर सिक्योरिटी के बारे में जानकारी देनी होगी। *

(सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली में सीनियर साइकोलॉजिस्ट, डॉ. इमरान नूरानी से बातचीत पर आधारित)

गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

बुरा लगता है हर मंजर

कसर छोड़ी नहीं हमने किसी की कद्रदानी में
बुरा लगता है हर मंजर जियादा बद्गुमानी में

समय से पहले मुरझाने लगीं कलियां गुलिस्तां में
नहीं महफूज है खुशबू किसी भी इत्रदानी में

हजारों लहरें इठलाती हैं बलखाती हैं मर्जी से
किनारे चाह कर भी बह नहीं पाते रवानी में

किसी की दास्तां में हम शुरू से आखिर तक थे
कहें क्या रह गए गुमनाम अपनी ही कहानी में

गुलामों के सिवा कोई नजर आया नहीं अब तक
मिला ना एक भी खुद्दार हमको राजधानी में

भरी है गंदगी पूरे शहर में इन दिनों 'नवरंग'
टिकी है सबकी उम्मीदें फकत इक रातरानी में

कहानी
शुभदा मिश्र

उसके एक कान का टॉप्स कहीं गिर गया, वह खोए टॉप्स की गहरी चिंता में डूब गई। ऐसी डूबी कि कुछ और सूझ ही नहीं रहा था। एक मनोवैज्ञानिक कहानी।

मनमीत रे

मेरा जी धक से रह गया!

डॉ. सक्सेना के क्लीनिक में बैठी थी मैं। ठंड की सुबह। गर्म शॉल से स्वयं को अच्छी तरह ढंके हुए कि सिर से शॉल सरक गई। मैंने सिर फिर ठीक से ढंकना चाहा कि मेरा हाथ कान को छू गया। दाहिना कान। मुझे लगा कि कान का टॉप्स नहीं है। टॉप्स यानी कर्णफूल। मैंने कान अच्छे से टटोला। बायां कान भी टटोल लिया। बाएं में था टॉप्स। दाएं में नहीं।

तत्क्षण शॉल उतार कर देखा। झाड़कर देखा। अपनी साड़ी, ब्लाउज सब अच्छी तरह टटोल कर देखा। शायद कहीं उलझ गया हो। आस-पास देखा। सोफे के नीचे देखा। कहीं गिर गया हो। नहीं कहीं नहीं था। मरीजों से भरा हॉल। सब अपनी परेशानियों में डूबे। गंभीर माहौल। मेरी हलचलों से गंभीरता भंग होती। सो फिर से शॉल अच्छी तरह ढंक सिर झुकाकर बैठ गई। सदमे में घिरी।

कहां गिरा होगा, वह नन्हा-सा चमकीला टॉप्स। घर से निकल कर ऑटो में बैठते समय। ऑटो से उतर कर स्टेशन में। स्टेशन से प्लेटफॉर्म में, ट्रेन में। यहां रायपुर पहुंच कर ट्रेन से उतरते समय, ऑटो में बैठ यहां क्लीनिक आते समय। हर जगह, हर कदम पर तो भीड़-भाड़। हड़बोंग। गिर गया होगा, वह बटन सा छोटा। वस्तु कैसे कह दूं मैं। तिलिस्म है वह तो। अनजान चेहरों की सुंदरता बढ़ाने वाला। असुंदर चेहरों में भी सुंदरता ला दे। निश्चय ही वह किसी सिद्ध कलाकार की गढ़ी कलाकृति। हाय, कहां गया! उस एक अकेले की तो कोई कीमत भी नहीं। पता होता, कहां गिरा है, तो दूसरा भी टपका देती। किसी के काम तो आता।

अपना सदमा और उसकी अंधेरी नियति! अवसाद के काले जल में डूब गई मैं। टॉप्स मां ने दिए थे। मां के आशीर्वाद की तरह साथ लगे रहते। दुख की मारी ऐसे ही आस-पास, बाजार हाट, कहीं भी चली जाती। पर जब किसी 'शुभ मंगल' कार्यक्रम में जाना होता तो मुझे स्वयं अखरने लगता। लगता, सूने कान चेहरे को और सूना बना रहे हैं। कोई पूछ भी देती, 'कानों में कुछ पहना क्यों नहीं?' एक शरारती ने तो एक बार चर्चा ही छेड़ दी कि कानों के जेवर नारी मुखड़े के आवश्यक अंग हैं। गले में चाहे हीरे का हार पहन लो, पर कान सूना, तो हार बेकार।

अजूबाओं को छोड़ दें, तो हर धर्म, हर जाति, हर उम्र की महिलाएं कानों में कुछ न कुछ पहनती हैं, चाहे वह डॉक्टर हों, नर्स हों, पुलिस या सेना में हों, चाहे वह मंत्री ही क्यों न हों। और मेरा मन भी कहने लगा कि वाकई मुझे कान में पहनना चाहिए। मैं एक महिला आभूषण विक्रेता के पास पहुंची कि मुझे मेरी उम्र और व्यक्तित्व के अनुरूप कोई छोटा सा टॉप्स दें। ज्यादा कीमती न हो। उसने बहुत खोजकर इस टॉप्स की जोड़ी को निकाला। बटन-सा छोटा। गोल। परिधि में ज्योति बिंदु से चमकते श्वेत नग। केंद्र में दमकता लाल नगीना। आश्वस्त किया, 'सोने का नहीं है, पर सोने से कम भी नहीं है मैम।'

मैंने देखा, मां के उस खानदानी जड़ाऊ टॉप्स-सा तो नहीं ही, पर है बेचारा एक अच्छा विकल्प।

मैंने उस विकल्प को समुचित आदर दिया। कहीं जाऊं तो प्रेम से पहन लेती। इधर काफी दिनों से मैं बाहर कहीं आती-जाती नहीं थी। वजह थी, पैरों में तकलीफ। जाना जरूरी हो तो किसी को साथ लेना पड़ता। मुझे अपने आस-पास के लोग बहुत व्यस्त नजर आते। बच्चे, बूढ़े, जवान, सभी। पर वे कहते, 'अकेले जाने का खतरा मत उठाइएगा, हमें खबर कर दीजिएगा।' मैं कहती, 'आप लोग बहुत व्यस्त रहते हैं।' उनका कहना होता, 'इससे क्या, हम समय निकाल लेंगे।' मैं और भी संकोच में पड़ जाती। ये अपने कारोबार से, बीवी-बच्चों से, अपने जरूरी कार्यक्रमों से समय निकालेंगे। मेरे कारण। यह ठीक नहीं। सो मैं जहां जाना जरूरी होता तो किसी को बिना बताए निकल जाती। अभी भी मैं बिना किसी को बताए चली आई थी।

डॉक्टर के पास आना बहुत जरूरी था। कारण आंखों में भीषण तकलीफ। महीने भर से धुंधला दिखने लगा था। अक्षर तो पढ़े ही न जाते। काले धब्बे दिखते। आंखों के भीतर सुई-सा चुभता रहता। सूजन अलग। स्थानीय डॉक्टरों ने जवाब दे दिया। रायपुर आना पड़ा डॉक्टर सक्सेना के पास। वह प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं। मुलाकात के लिए पहले से ही समय लेना पड़ता है। लिया समय। पहुंची। मरीजों की भीड़। एक तरफ बैठ गई और मुझे घेर लिया टॉप्स के सदमे ने। 'हाय कहां पड़ा होगा बेचारा धूल गर्द खाता। कुछ आभास हो जाए तो अभी दौड़ कर ढूंढ़ लाऊं... कहां होगा...कहां', तभी नर्स ने नाम पुकारा, 'रोशन भाई।' मेरे बगल वाला मरीज उठ कर भीतर गया।

'अरे बाप, इसके बाद मेरा नंबर। मुझे तो कुछ याद ही नहीं आ रहा है डॉक्टर को क्या बताना है।' मेरे दिमाग में तो छाया हुआ है टॉप्स। टॉप्स-टॉप्स और टॉप्स। कैसे छूटे ये टॉप्स? कि जैसे मन ही बोल उठा, 'सच में किसी सहेली को साथ लाना था मुझे।' सहेली होती तो समझाती, 'अरे ऐसा कौन-सा कीमती था। दूसरा ले लेना।' नहीं समझाती तो लताड़ती जमकर, 'इतनी ठंड में मुंह अंधेरे उठकर, गाड़ी-घोड़ा पकड़ कर, गिरते-पड़ते पहुंची हो डॉक्टर के पास। डॉक्टर को यही बताने के लिए कि डॉक्टर साहब मेरा टॉप्स खो गया। ऐसा सुंदर डॉक्टर साहब... कि उसके जैसा...। मूर्ख, एक-एक मिनट कीमती है डॉक्टर का। सैकड़ों लोग लाइन में लगे हैं। भड़केंगे तुम पर। चल बता... तकलीफ कब से शुरू हुई? धुंधला दिखना कब से शुरू हुआ? सूजन कब से आई? कौन सी दवाई डाली थी? पिछले डॉक्टर का पुर्जा...?'

और मैं जल्दी-जल्दी सोचने लगी... मुझे डॉक्टर को क्या-क्या बताना है। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

निकट का कथा विशेषांक

लगभग दो दशक से प्रकाशित हो रही पत्रिका 'निकट' का नया अंक-40, कथा विशेषांक है। आकांक्षा पारे काशिव के अतिथि संपादन में आया यह अंक युवा, मध्य और वरिष्ठ पीढ़ी के लेखकों की कहानियों के सुंदर कोलाज जैसा है। वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया की कहानी 'मक्खन खाना घातक है' वृद्धावस्था में भी क्षुद्र आकांक्षाओं से ग्रस्त एक अध्यापक की मनोस्थिति को सामने लाती है तो राजेंद्र दानी ने 'मौत की उलटबांसी' में मृत्यु के भय का सहज और सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया है। प्रियंका ओम ने अपनी कहानी 'सात साल उनतीस दिन' में अपने पति की क्रूरता को सालों सहने वाली एक स्त्री के मनो-कायांतरण का चित्र उकेरा है। सुशांत सुप्रिय की कहानी 'एक उदास सिंफनी' उदासी से भरी प्रेमकथा के समानांतर कई सामाजिक विमर्श को भी सामने लाती है। अन्य सभी कहानियां भी पठनीय हैं। कुल सत्रह कहानियों के अलावा प्रियदर्शन का नाटक 'एक दिन बदलेगा संसार देखना', विगत वर्ष साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित लेखिका हान कांग पर रश्मि भारद्वाज के लेख समेत मार्टिन जॉन और सुभाष नीरव की लघुकथाओं से यह अंक और समृद्ध हो गया है। *

पत्रिका: निकट-40 (कहानी विशेषांक), **संपादक:** कृष्ण बिहारी, **मूल्य:** 50 रुपए

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

हर साल की तरह इस साल भी ताज नगरी आगरा में होने वाले भव्य ताज महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आगामी 18 फरवरी से 2 मार्च तक चलने वाला यह सांस्कृतिक महोत्सव, इस आयोजन का 34वां संस्करण होगा। इस भव्य आयोजन की महत्ता और इस बार की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

बहुरंगी संस्कृति की छटा बिखेरता भव्य ताज महोत्सव

ताज महोत्सव न केवल आगरा या उत्तर प्रदेश बल्कि समूची भारतीय संस्कृति की विविधता को संजोता है और विश्व पटल के सामने इसे प्रस्तुत करता है। इसलिए यह भले ताज महोत्सव के नाम से जाना जाता हो, लेकिन यह वास्तव में समूची भारतीय संस्कृति का विराट महोत्सव होता है। इसमें देश भर के लोक कलाकार और संगीत मर्मज्ञों के साथ हर तरह के कला रसिक आते हैं। इस कारण ताज महोत्सव हाल के दशकों में देश की संस्कृति को सहेजने, संवारने और दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण आयोजन बन गया है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक ताज महोत्सव के दौरान यहां पर्यटन के लिए आना पसंद करते हैं। इस साल आयोजित होने वाले ताज महोत्सव की थीम है-धरोहर। जैसा कि थीम से जाहिर है, ताज महोत्सव में इस बार भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा।

दशकों से हो रहा आयोजन

गौरतलब है कि ताज महोत्सव की शुरुआत 1992 में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा की गई थी और इसका उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति की विश्व स्तर पर छटा बिखेरने के साथ-साथ ताजमहल देखने आने के लिए देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना था। इतने वर्षों के बाद कहा जा सकता है कि यह महोत्सव आयोजन के अपने उद्देश्यों में सफल साबित हुआ है।

उत्कृष्ट हस्तशिल्प की प्रदर्शनी

ताज महोत्सव देश का विरल सांस्कृतिक महोत्सव है। इसकी कुछ विशिष्ट खासियतें हैं। आगरा में निर्मित कला और शिल्प ग्राम में आयोजित हस्तशिल्प प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। यहां भारत के कोने-कोने से शिल्पकार अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन करने आते हैं। सहारनपुर की लकड़ी के खिलौने और विभिन्न तरह की नक्काशी की हुई वस्तुएं, खुर्जा के मिट्टी के बर्तन, लखनऊ की चिकनकारी और वाराणसी की रेशम की साड़ियां करीब-करीब हर बार इस महोत्सव के मुख्य आकर्षण की वस्तुएं होती हैं।

जुटते हैं लोक कलाकार-संगीतज्ञ

ताज महोत्सव में देश भर के लोक कलाकार और शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञ अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। इससे महोत्सव की शोभा और भी बढ़ती है। इसे देखने का आनंद लेने के लिए देश-दुनिया से बड़ी संख्या में कला और संगीत के कद्रदान यहां आते हैं। ताज महोत्सव वास्तव में भारत की विविध संस्कृतियों का अद्भुत संगम है।

पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद

कला और संगीत के साथ-साथ ताज महोत्सव, अपने लजीज व्यंजनों के प्रदर्शन के लिए भी जाना जाता है। इस महोत्सव में करीब-करीब सभी राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां महोत्सव में आए आगंतुक तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद लेकर आनंदित होते हैं।

इस बार होगा काफी कुछ नया

इस बार का ताज महोत्सव कई नए कार्यक्रमों के साथ होगा, जो इसे पिछले वर्षों के मुकाबले और अधिक रोमांचक और दर्शनीय बनाएंगे। इस महोत्सव में पहली बार इस साल बर्ड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। हॉट एयर बैलून शो भी इस महोत्सव का हिस्सा होगा। इसके अलावा ड्रोन शो, विंटेज कार रैली और पतंग महोत्सव का आयोजन भी इस बार इस महोत्सव में चार चांद लगाएंगे। पिछले कई सालों से इस महोत्सव में एक साहित्य कोना की भी जरूरत महसूस की जा रही थी। इस साल इस महोत्सव में साहित्य प्रेमियों के लिए भी विशेष कार्यक्रम होंगे। इस महोत्सव का एक बड़ा आकर्षण बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर भी होंगे, जो ओपेन स्पेस मंच पर अपनी सुरीली प्रस्तुति देंगे। सदर बाजार ओपेन स्पेस मंच, यमुना व्यू प्वाइंट, ताज व्यू गार्डन और आई लव सेल्फी प्वाइंट जैसे स्थानों पर भी इस बार महोत्सव के विभिन्न आयोजन संपन्न होंगे। हाल के सालों को देखें तो इस साल का ताज महोत्सव पहले से कहीं ज्यादा भव्य और कहीं ज्यादा विराट आयोजन होगा।

बड़ी संख्या में आते हैं पर्यटक

हाल के सालों में ताज महोत्सव के दौरान यहां पूरे साल में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। सच बात तो यह है कि पर्यटकों की भारी आवक को देखते हुए ही इस जश्न को अब पूरे 10 दिन मनाते हैं। पहले यह 10 दिनों तक चलने वाला महोत्सव नहीं होता था। लेकिन इसकी मांग जिस तरह से देशी-विदेशी पर्यटकों के बीच बढ़ी है, उस कारण यह महोत्सव देश की समृद्ध संस्कृति का पर्याय तो बन ही गया है, आगरा शहर की अर्थव्यवस्था का बड़ा स्रोत भी बनकर उभरा है। माना जाता है कि ताज महोत्सव के दौरान यहां बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों से आगरा शहर की आय में भारी वृद्धि होती है। *

तैयार है आयोजन स्थल

हर साल इस महोत्सव के लिए कई महीनों पहले ही भाग लेने वाले कलाकारों का चयन कर लिया जाता है और वे महोत्सव शुरू होने के पहले ही आयोजन स्थल शिल्पग्राम में पहुंचने लगते हैं। इस बार के ताज महोत्सव का आयोजन शिल्पग्राम के साथ-साथ ताज खेमा, ग्यारह सीढ़ी पार्क और फतेहपुर सीकरी सहित कई जगहों पर आयोजित होगा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी के मुताबिक आयोजन की सारी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। महोत्सव के दौरान हर तरह की सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था का इंतजाम भी किया जा चुका है।

चाहे आप किसी भी सेक्टर/कंपनी में जॉब करते हों, प्रमोशन और इंक्रीमेंट के लिए हार्ड वर्क के साथ-साथ और भी कई बातें मायने रखती हैं। कौन-सी हैं वो बातें, आप जरूर जानना चाहेंगे।

हार्ड वर्क + स्मार्ट स्ट्रेटजी ईजिली मिलेगा प्रमोशन

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

अमित ने अपने कुलीग मुकुंद से जब निराश होकर कहा, 'यार, काम तो हम भी कम नहीं करते। बॉस के दिए हुए सारे प्रोजेक्ट्स टाइम पर पूरे कर देते हैं। फिर भी हम 3 साल से एक ही जगह अटके हुए हैं और वह जतिन हमेशा बाजी मार लेता है। 3 साल में उसे दो बार प्रमोशन मिल गया है। हमारी एक बार भी सैलरी नहीं बढ़ी, जबकि उसकी सैलरी दो बार बढ़ाई गई है।' इस पर मुकुंद ने कहा, 'यार तू समझता नहीं, जतिन काम करने के साथ-साथ उसका बखान भी खूब कर लेता है। यही उसका प्लस प्वाइंट है। जबकि तू चुपचाप काम करके निकल लेता है।'

मुकुंद की बात ध्यान देने वाली है। कॉर्पोरेट सेक्टर की जॉब में प्रमोशन, हार्ड वर्क के साथ-साथ खुद की अच्छी ब्रांडिंग और सही स्ट्रेटजी से मिलती है।

अपने वर्क को हाईलाइट करें: माना कि आप एक मेहनती एंप्लॉई हैं और मन लगाकर काम करते हैं। आप अपने बॉस द्वारा दिए गए कामों और जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देते हैं। लेकिन इन सबके साथ सबसे जरूरी यह है कि आप जो कर रहे हैं, उसे आपका बॉस कैसे और कितना देख पा रहा है। बॉस को लगना चाहिए कि आप पूरी लगन और निष्ठा से ऑफिस का काम कर रहे हैं। आपको अपने काम का डॉक्यूमेंटेशन करना चाहिए और इसे शेयर भी करना चाहिए। टीम में हर किसी को लगना चाहिए कि आप कंपनी/संस्थान और अपने काम के प्रति समर्पित हैं।

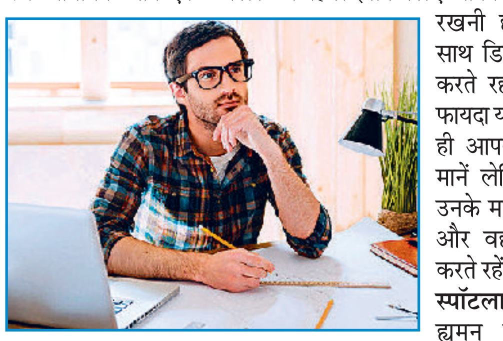

खुद को विश्वसनीय बनाएं: प्रमोशन के लिए मेहनत के साथ लाइमलाइट में बने रहने और खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला भी जरूरी है। जो लोग लगातार अपने एंप्लॉयर या बॉस की नजर में बने रहते हैं, उनके द्वारा जताई गई किसी भी चिंता या कंपनी की किसी भी समस्या में खुद आगे बढ़कर काम करने का साहस रखते हैं, उनके प्रमोशन की संभावना बहुत ज्यादा होती है। आपको अपने मैनेजर, एंप्लॉयर या प्रभावशाली अधिकारी के साथ बराबर टच में रहना चाहिए। उन्हें बताएं कि कैसे कंपनी से आप भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और कंपनी की तरक्की आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। यकीन मानिए, इन बातों का जादुई असर होगा।

अपना फ्यूचर विजन शेयर करें: याद रखें किसी भी कंपनी का मालिक या मैनेजर हमेशा अपनी कंपनी को आने वाले समय के ट्रेंड, डिमांड और चुनौतियों के लिए अपडेटेड रखना चाहता है। आपको यह फ्यूचर फोकस्ड साइकोलॉजी समझनी होगी। अगर आप अपने टीम लीडर्स को यह जताने और बताने में कामयाब रहेंगे कि आप एक अपडेटेड एंप्लाई हैं। लगातार फ्यूचर ट्रेंड, टेक्नोलॉजी और मार्केटिंग स्ट्रेटजी सीखते, समझते रहते हैं तो आप उनकी फेवरेट लिस्ट में रहेंगे। इसके लिए आपको इनकी जानकारी रखनी होगी और उनके साथ डिसकस और शेयर करते रहना होगा। इसका फायदा यह होगा कि वे भले ही आपकी सभी बातें न मानें लेकिन आपके प्रति उनके मन में भरोसा रहेगा और वह आपको प्रमोट करते रहेंगे।

स्पॉटलाइट में बने रहें: ह्यूमन साइकोलॉजी के स्पॉटलाइट इफेक्ट को समझें। इसके तहत आपको न सिर्फ अपनी टीम बल्कि पूरे ऑफिस के कुलीग्स के बीच एक ऐसे व्यक्ति की इमेज बनानी होगी, जो मिलनसार, विनम्र और मददगार स्वभाव का है। साथ ही खुद को एक स्मार्ट टेक सेवी, मेहनती और दूरदर्शी व्यक्ति, एक प्रॉब्लम सॉल्वर के रूप में प्रोजेक्ट करें। इससे कोई आपका समर्थन करे या ना करे लेकिन कोई विरोध नहीं करेगा। आप हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे और स्पॉटलाइट में रहेंगे। यह स्ट्रेटजी आपके प्रमोशन में मददगार साबित होगी।

एक्सट्रोवर्ट होना जरूरी: जब आप इंट्रोवर्ट होते हैं, तो आपके बॉस के मन में आपको लेकर क्लेरिटी नहीं रहती है। आप चाहे जितने भी मेहनती क्यों न हों, उनकी नजर और उनके मन से आपका नाम हट जाता है। सुबह से शाम तक अपने ही केबिन में या अपनी चेयर पर न बैठे रहें। ऑफिस में आपको एक्टिव और विजिबल रहना चाहिए और दिन में एकाध बार बॉस या टीम मैनेजर से मिलना चाहिए। आपका स्मार्ट होना और दिखना दोनों जरूरी है। *

न्यू ट्रेंड
संध्या सिंह

आज घर के भीतर से लेकर बाहर हर कहीं बड़ी संख्या में टीनएजर्स और यंगस्टर्स हेडफोंस या ईयरबड्स लगाए देखे जा सकते हैं। इसका ट्रेंड बढ़ने की वजहों पर एक नजर।

यंगस्टर्स के स्टाइल स्टेटमेंट हेडफोंस और ईयरबड्स

हालांकि कोई बिल्कुल सटीक डाटा तो उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने युवा हेडफोंस और ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन एक अनुमान के मुताबिक शहरों में रहने वाला हर दूसरा यंगस्टर और गांव में रहने वाला हर चौथा युवा, हेडफोन या ईयरबड का इस्तेमाल कर रहा है। जहां तक इसके इस्तेमाल के वैश्विक आंकड़े की बात है तो एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 के अंत में करीब 1 अरब टीनएजर्स और यंगस्टर्स, ईयरबड्स का इस्तेमाल कर रहे थे। दिल्ली, मुंबई, बैंग्लुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और चंड़ीगढ़ जैसे महानगरों में देखें तो लगता है, घर से बाहर जाने वाला हर युवा कान में ईयरबड्स या हेडफोंस लगाकर रखता है।

वजहें हैं कई: हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर विश्व स्तर पर हुए अनेक अध्ययनों का निष्कर्ष यह है कि भारत या दुनिया के सभी हिस्सों में किशोरों और युवाओं के बीच इस कदर हेडफोंस और ईयरबड्स को लेकर बढ़ा लगाव, महज उनके संगीत प्रेम तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे कई तरह के दूसरे सामाजिक, तकनीकी और सांस्कृतिक कारण हैं। आइए, एक-एक करके इन्हें समझने की कोशिश करते हैं।

संगीत प्रेम: निःसंदेह आज की युवा पीढ़ी पिछली शताब्दी की कई पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा संगीत प्रेमी है। आज की युवा पीढ़ी संगीत को अपनी भावनाओं और व्यक्तित्व के साथ जोड़ती है। ये हेडफोंस और ईयरबड्स, उन्हें अपने पसंदीदा गानों को बिना किसी रुकावट और दूसरों को बिना डिस्टर्ब किए सुनने का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनके जरिए युवा ऑन डिमांड म्यूजिक विभिन्न एप्स और म्यूजिक चैनलों के जरिए सुन सकते हैं।

फैशनेबल लुक: ईयरबड्स और हेडफोंस आज की तारीख में यंगस्टर्स के फैशन स्टेटमेंट का हिस्सा भी बन गए हैं। एप्पल एयरपोड्स, बोएट और जेबीएल जैसे ब्रांड्स ने ईयरबड्स और हेडफोंस को कहीं ज्यादा स्टाइलिश और ट्रेंडी बनाया है। इसके साथ महंगे ईयरबड्स या हेडफोंस का इस्तेमाल करना युवाओं के लिए एक स्टेटस सिंबल भी बन गया है।

वर्चुअल इंटरेक्शन: वायरलेस टेक्नोलॉजी ने कनेक्टिविटी को बेहद आसान और बिना किसी तरह की परेशानी वाला बना दिया है। ब्लू टूथ की सुविधा ने सचमुच इस दौर में लोगों को भीड़ में अकेला कर दिया है। यही नहीं शोरगुल भरे परिवेश में भी न्वॉयज कैंसिलेशन जैसे फीचर्स ने म्यूजिक को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है। यही कारण है कि आज लोग चलते-फिरते अपने दूसरे कामों को बाधित किए बिना म्यूजिक का आनंद ले रहे हैं। साथ ही साथ तकनीकी सुविधाओं की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो वीडियो सामग्री की सुविधा बढ़ी है, उसके चलते भी ईयरबड्स की मांग बढ़ गई है।

पर्सनल स्पेस और प्राइवेसी: बहुत से युवा सार्वजनिक स्थानों पर असहज महसूस करते हैं, इसलिए वे ऐसी जगहों पर अपने पसंदीदा म्यूजिक के साथ रहना पसंद करते हैं और यह तभी संभव है, जब अच्छी क्वालिटी के ईयरबड्स और हेडफोंस की उन्हें सुविधा हो। जो यंगस्टर्स, कई तरह के गैजेट्स के प्रति लगाव रखती है, उनके लिए ईयरबड्स भी एक गैजेट ही है। इन्हीं वजहों से यंगस्टर्स में इनका क्रेज बढ़ता जा रहा है। *

होते हैं कई नेगेटिव इफेक्ट्स

भले हेडफोंस और ईयरबड्स का शौक यंगस्टर्स को बहुत भाता हो, लेकिन इसके बहुत सारे नुकसान भी हैं। लगातार हेडफोंस और ईयरबड्स का अगर हम 85 डेसिबल से अधिक ध्वनि के साथ इस्तेमाल करते हैं तो डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) के अनुसार यह कानों की सेहत के लिए बेहद खतरनाक है। युवाओं के साथ समस्या यह है कि वो जरूरत से ज्यादा ऊंची आवाज में ही म्यूजिक सुनते हैं। इसलिए यह शौक उन्हें धीरे-धीरे बहरेपन या टिनिट्स समस्या की तरफ ले जा सकता है। इसका एक नुकसान यह भी है कि अकसर ईयरबड्स और हेडफोंस से लैस होने के कारण आजकल युवा, लोगों से बातचीत बहुत कम करते हैं, इस तरह उनका सोशल इंटरेक्शन बढ़ रहा है। कानों में लगातार ईयरबड्स पहनने से नमी बनी रहती है, जिस कारण यहां बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी हर समय बना रहता है। कानों में दर्द, जलन, माइग्रेन और सिरदर्द की भी समस्या बढ़ सकती है।

खास मुलाकात
पूजा सामंत

मां बनने के बाद यामी गौतम फिल्मों में फिर से एक्टिव हुई हैं। नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में उनका रोल उनके नेचर से एकदम अपोजिट है, गाली-गलौज करने वाला। यामी के लिए यह रोल कितना चैलेंजिंग रहा? अब उनके पास कैसे रोल आ रहे हैं? खुली बातचीत यामी गौतम से।

अब मुझे स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर ऑफर हो रहे हैं : यामी गौतम

यामी गौतम सिर्फ खूबसूरत एक्ट्रेस ही नहीं हैं, वह एक सुलझी हुई और अच्छी एक्ट्रेस भी हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों 'आर्टिकल 370', 'काबिल', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक', 'चोर निकल के भागा', 'विकी डोनर' और 'दसवीं' में यह सिद्ध भी किया है। निर्माता-निर्देशक आदित्य धर से विवाह के बाद एक बेटे की मां बनीं यामी एक बार फिर फिल्मों में एक्टिव हुई हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'धूम धाम' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में यामी ने 'नेवर बिफोर अवतार' में खुद को पेश किया है। पेश है यामी गौतम से हुई लंबी बातचीत के प्रमुख अंश-

इस शुक्रवार नेटफ्लिक्स पर आपकी फिल्म 'धूम धाम' रिलीज हुई है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

इस फिल्म की कहानी बड़ी मजेदार है। इसे मेरे पति आदित्य धर ने लिखा है। इसे डायरेक्ट किया है ऋषभ सेठ ने। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है कोयल चड्ढा, जिसकी शादी वीर पोद्दार (प्रतीक गांधी) से होती है। फिल्म में हमारी अरेंज्ड मैरिज होती है। हम एक-दूसरे के लिए बिल्कुल मिस-मैच्ड हैं। हमारी सोच, हमारी बोली, हमारे स्वभाव, हमारी आदतों में कोई समानता नहीं है। शादी के बाद ससुराल पहुंची कोयल और उसके पति वीर के बीच कैसी नोक-झोंक होती है, उनके कल्चरल डिफरेंसेस किस हद तक पहुंचते हैं, यह देखना दर्शकों के लिए काफी एंटरटेनिंग होगा।

फिल्म 'धूम धाम' में प्रतीक गांधी के साथ यामी गौतम

इस फिल्म में आपका किरदार जमकर गालियां देता है। पर्सनल लाइफ में गाली क्या, ऊंची आवाज में बात तक नहीं करतीं आप। ऐसे में कोयल चड्ढा जैसा अपोजिट किरदार निभाना आपके लिए कितना चैलेंजिंग रहा?

'धूम धाम' में कोयल का किरदार है ही ऐसा। वह स्ट्रेट फॉरवर्ड है, आज के जमाने की है, जो अपनी बोलचाल, व्यवहार में कोई शालीनता या मर्यादा नहीं रखती। वह अपने मन की रानी है, बहुत ही साहसी भी है। वक्त पड़ने पर वो हाथा-पाई भी कर लेती है। वह अपनी डेली लाइफ में गाली-गलौज करती है। गालियां देना उसकी आदत में है। कोयल को गलियां देने में कोई संकोच नहीं है। फिल्म 'धूम धाम' के कैरेक्टर की डिमांड के अनुसार मुझे गाली देनी थी। कोयल और मेरी पर्सनालिटी में जमीन-आसमान का फर्क है, मैंने अपनी जिंदगी में कभी मामूली-सी भी गाली नहीं दी। मैं इसमें कंफर्टेबल नहीं फील कर रही थी। फिल्म में मेरे पति बने प्रतीक गांधी मुझे कंफर्टेबल कराने के लिए कहते थे कि वे मेरी गालियों को नहीं सुन रहे हैं, जिससे मैं कूल होकर डायलॉग्स बोल सकूं।

मां बनने के बाद आप पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में क्या चेंज फील करती हैं?

मां बनने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मां बनने के बाद बायोलॉजिकल बदलाव लाजिमी हैं। इमोशनल स्तर पर भी एक स्त्री अधिक दयालु और सेंसिटिव हो जाती है। जहां तक प्रोफेशनल लाइफ की बात है, मां बनने के बाद एक एक्ट्रेस को अगर फैमिली से सपोर्ट मिले तो वह अपने बच्चे को वक्त देने के साथ-साथ अपने करियर पर भी फोकस कर सकती है। मां बनने के बाद मेरी जिंदगी में करियर के लिहाज से भी बहुत पॉजिटिव चेंज आए हैं। इन दिनों मेरे पास ऐसी फिल्मों के ऑफर आ रहे हैं, जो पहले कभी नहीं आए थे। मुझे अब पहले के मुकाबले स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर यानी मीनिंगफुल वूमेन ओरिएंटेड रोल मिल रहे हैं। मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ अब 360 डिग्री बदल चुकी है। मैं इसे सुखद बदलाव मानती हूं।

निर्माता-निर्देशक आदित्य धर के साथ आपने शादी से पहले भी फिल्म की है। अब वह आपके पति हैं, तो उनके साथ प्रोफेशनली कितना कुछ बदला है?

मैंने आदित्य के साथ 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' फिल्म में पहली बार काम किया। इस फिल्म के दौरान हम एक-दूसरे के प्रति कुछ स्पेशल फील करने लगे थे। आगे चलकर हमने शादी की फिर 'आर्टिकल 370' और अब 'धूम धाम' फिल्म साथ में की है। मैं हर अच्छी स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहूंगी। फैमिली में आदित्य, उनके भाई लोकेश धर और अब मैं, फिल्म लाइन से जुड़े हैं। कई बार डायनिंग टेबल पर फिल्मों के टॉपिक्स निकलते हैं। लेकिन जब आदित्य मुझे फिल्म का रोल ऑफर करते हैं, तो वो प्रॉपर चैनल से मेरे पास आता है। मेरी मैनेजर मुझे उनकी स्क्रिप्ट सुनवाती है। कहानी, किरदार अच्छे लगें तो ही मैं उस ऑफर को एक्सेप्ट करती हूं। *

कैसे हैं पति-पिता के रोल में आदित्य धर

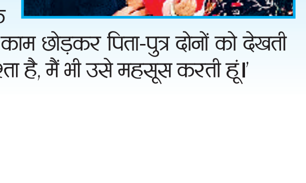

यामी गौतम से यह पूछने पर कि उनके पति आदित्य धर एक पति और पिता के रोल में कैसे इंसान हैं, वह बताती हैं,'आदित्य बहुत ही अच्छे पति और पिता हैं। आदित्य ग्रेट स्टोरीटेलर हैं। हमारे बेटे वेदाविद को आदित्य कहानियां सुनाते हैं। हालांकि अभी बेटा उनकी कहानियां समझ नहीं पाता है, लेकिन वो अपने पापा के हाव-भावों को निहारता है, उसे एंज्वॉय करता है। हर कहानी के साथ आदित्य बहुत प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते हैं। मैं भी अपना काम छोड़कर पिता-पुत्र दोनों को देखती रहती हूं। आदित्य और वेदाविद के बीच जो अद्भुत, प्यार भरा रिश्ता है, मैं भी उसे महसूस करती हूं।'